रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, रविवार 19 जनवरी 2025, वर्ष 10, अंक 366 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

स्वामित्व योजनाः पीएम मोदी ने बांटे 65 लाख संपत्ति काड़र्स, जमीन के रिकॉर्ड डिजिटल होने से मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली भूमि विवादों को कम करने के लिए शुरू की गई स्वामित्व योजना के तहत पीएम मोदी आज 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्डों का वितरण किया। पीएम मोदी के इस कदम से देश के 230 से अधिक जिलों के करीब 50,000 गांवों में संपत्ति मालिकों को फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में देश के 230 से अधिक जिलों के करीब 50,000 गांवों में संपत्ति मालिकों को स्वामित्व योजना के तहत 65 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड वितरित किए। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम में शामिल हुए। इस स्वामित्व योजना से 10 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के लाखों लोगों को फायदा होगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल, मप्र, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, यूपी और जम्मू- कश्मीर एवं लद्दाख के संपत्ति मालिकों को संपत्ति कार्ड जारी किए गए।

21वीं सदी में लोगों को संपत्ति का अधिकार देना एक बड़ी चुनौती कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि 'आज का दिन देश के गांवों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ऐतिहासिक है। यह एक बड़ी समस्या थी, लेकिन राज्य सरकारों, अधिकारियों और ग्राम पंचायत के हजारों सहयोगियों की कोशिशों से लाखों लाभार्थियों को स्वामित्व योजना का लाभ मिला।' पीएम मोदी ने कहा कि '21वीं सदी में दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी, स्वास्थ्य समस्याएं और आपदाएं प्रमुख हैं, लेकिन दुनिया एक और बड़ी चुनौती से जूझ रही है और वो है संपत्ति का अधिकार। कई वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र ने एक अध्ययन किया था, जिसमें कई देशों में संपत्ति के अधिकारों का अध्ययन किया गया था। इस अध्ययन में पता चला कि दुनिया के कई देशों में लोगों के पास उनकी संपत्ति के कानूनी दस्तावेज ही नहीं हैं।' पीएम मोदी ने कहा कि 'संयुक्त राष्ट्र ने साफ कहा था कि अगर गरीबी को कम करना है तो लोगों को संपत्ति का अधिकार देना बेहद जरूरी है। भारत भी इस चुनौती से अछूता नहीं है और हमारी स्थिति भी अन्य देशों जैसी ही है। गांवों में लोगों के पास लाखों-करोड़ों रुपये की संपत्ति है, लेकिन उनके पास इसके कानूनी दस्तावेज नहीं हैं। ऐसे में मालिकाना हक को लेकर विवाद होते हैं। कई जगहों पर ताकतवर लोग गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर लेते हैं।' प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामित्व कार्ड्स बांटने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लाभार्थियों से बात भी की। **क्या है स्वामित्व योजना**? स्वामित्व योजना ग्रामीण भारत की आर्थिक प्रगति को बढ़ाने की दृष्टि से 24 अप्रैल, 2020 को (राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर) प्रधानमंत्री की ओर से शुरू की गई थी। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के रिकॉर्ड को डिजिटल तरीके से तैयार किया जाता है, जिससे भूमि विवादों को कम किया जा सके। गौरतलब है कि योजना के तहत 3.17 लाख से अधिक गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है, जो लक्ष्य का 92 फीसदी है। वहीं, 1.53 लाख गांवों के लिए करीब 2.25 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए गए हैं।

आधी रात अचानक AIIMS के बाहर पहुंच गए राहुल गांधी, मरीजों और परिजनों का जाना हाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली AIIMS के बाहर मरीजों और उनके परिवारों से मुलाकात की, जो उपचार के लिए सड़कों और फुटपाथों पर सोने को मजबूर हैं। उन्होंने केंद्र और दिल्ली सरकार पर उनकी ओर असंवेदनशीलता का आरोप लगाया।

नई दिल्लीः कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी गुरुवार देर रात दिल्ली के एम्स अस्पताल के बाहर पहुंचे। उन्होंने अस्पताल के के आसपास सड़कों, फुटपाथों और सबवे पर डेरा डाले कई मरीजों और उनके परिवारों से मुलाकात की । राहुल ने केंद्र और दिल्ली सरकार पर उनके प्रति असंवेदनशीलता दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों की समस्याओं और शिकायतों के बारे में जानकारी ली।

सरकार पर साधा निशाना गांधी ने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'बीमारी का बोझ, ठिठुराने वाली सर्दी और सरकारी असंवेदनशीलता। आज मैं एम्स के बाहर मरीजों और उनके परिवारों से मिला, जो दूर-दराज से इलाज की आस में आए हैं।' गांधी ने कहा, 'इलाज की राह में वे सड़कों, फुटपाथों और सबवे पर सोने को मजबूर हैं-ठंडी जमीन, भूख, और असुविधाओं के बीच भी बस उम्मीद की एक लौ जलाए बैठे हैं। केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों, जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं।' इसके अलावा कांग्रेस ने भी राहुल गांधी की तस्वीरें शेयर की हैं। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, 'नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली AIIMS के बाहर मरीजों और उनके परिवार से मुलाकात की। दूर-दराज से इलाज के लिए आए लोग यहां सड़कों, फुटपाथ और सबवे पर सोने को मजबूर हैं। मोदी सरकार और दिल्ली की सरकार ने इन्हें अपने हाल पर छोड़ रखा है। अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रखा है।' एक अन्य पोस्ट में कांग्रेस ने लिखा, 'इलाज के लिए महीनों का इंतजार, असुविधा और सरकार की असंवेदनशीलता- ये आज दिल्ली AIIMS की सच्चाई है। हालात ये हैं कि अपनों की बीमारी का बोझ लिए दूर-दराज से आए लोग इस ठिठुरती सर्दी में फुटपाथ और सबवे पर सोने को मजबूर हैं। आज नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इलाज का इंतजार करते उन मरीजों से मुलाकात कर उनसे बात की और उनकी परेशानियां सुनीं।'

करीना ने पुलिस से कहा- सैफ महिलाओं-बच्चों को बचाने आएः हमलावर ने कई वार किए

मुंबई घटना वाली रात करीना कपूर खान को घर के बाहर स्टाफ से बात करते देखा गया था। सभी परेशान नजर आ रहे थे। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमले के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को करीना कपूर का बयान दर्ज कर लिया था। हालांकि, यह बयान शनिवार सुबह सामने आया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीना ने बताया कि सैफ ने महिलाओं और बच्चों को बचाने की कोशिश की। वे बीच में आए तो हमलावर जहांगीर (करीना-सैफ का छोटा बेटा) तक नहीं पहुंच पाया। उसने घर से कोई चीज भी नहीं चुराई। हमलावर बेहद आक्रामक था। उसने कई बार सैफ पर हमला किया। मैं हमले के बाद घबरा गई थी इसलिए करिश्मा मुझे अपने घर ले गई थीं। एक्ट्रेस के बयान के बाद पुलिस ने बांद्रा स्थित सतगुरु शरण बिल्डिंग, जहां सैफ रहते हैं और करिश्मा के खार स्थित आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी है। 15 जनवरी की रात सैफ के घर की सीढ़ियों से नीचे उतरता संदिग्ध। हमले के अगले दिन सुबह संदिग्ध बदले हुए हुलिया में दिखा था। यह तस्वीर बांद्रा के लकी होटल के पास की बताई जा रही है। हमले के अगले दिन सुबह संदिग्ध बदले हुए हुलिया में दिखा था। यह तस्वीर बांद्रा के लकी होटल के पास की बताई जा रही है। सैफ पर हमले के मामले में संदिग्ध की पांचवीं तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह यलो कलर की शर्ट पहने हुए नजर आ रहा है। सैफ पर हमले के मामले में संदिग्ध की पांचवीं तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह यलो कलर की शर्ट पहने हुए नजर आ रहा है।

राजनाथ सिंह ने संगम में डुबकी लगाईं: महाकुंभ में ब्लास्ट की धमकी के बाद आधी रात तक सर्चिंग

प्रयागराज महाकुंभ का आज छठा दिन है। दोपहर 12 बजे तक 20 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। अब तक 7.5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम स्नान कर चुके हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दोपहर में संगम में डुबकी लगाई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने स्नान किया। साथ में मंत्री नंदी भी रहे। उनके पहुंचने से पहले आर्मी ने पूरे किला घाट को अपने कब्जे में ले लिया था। स्निफर डॉग्स और बम स्क्वायड जांच की।

राजनाथ साधु-संतों से मुलाकात और सेना के अफसरों के साथ मीटिंग भी करेंगे। देर रात शहर और महाकुंभ क्षेत्र में आर्मी और पुलिस के जवानों ने चेकिंग की। 18 संदिग्ध लोगों को पकड़ा। इनमें से कुछ के पास आधार कार्ड नहीं थे। कई को चोरी के शक में पकड़ा। राजनाथ सिंह के आगमन को देखते हुए प्रयागराज में आर्मी के जवानों ने सर्चिंग की।

देवघर के मीना बाजार में आग,25 दुकानें जल कर राखः करोड़ों की संपत्ति का हुआ नुकसान; 4 दिन पहले भी मंडी में लगी थी आग

देवघर देवघर शहर के बीचो-बीच स्थित मीना बाजार सब्जी मंडी में शुक्रवार की आधी रात एक बार फिर आग लग गई। बीती रात आग लगने की घटना तब हुई जब दुकानदार अपनी दुकान बंद कर घर जा चुके थे। आग इतनी भयंकर थी कि काफी दूर से ही लपटे साफ दिख रही थी। इस आगजनी में सब्जी मंडी मीना बाजार की 20 से 25 दुकानें जलकर राख हो चुकी हैं। इससे पहले 13-14 जनवरी की रात भी आग लगी थी। दुकानदारों को आग लगने की सूचना देर रात 12 बजे के आसपास मिली। आग लगने की खबर फैलते ही इलाके में दहशत फैल गई। देर रात सूचना मिलने पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। हालांकि बीच में ही दोनों दमकल गाड़ियों का पानी खत्म हो गया। इसके बाद तीसरी गाड़ी बुलाई गई। एम्स देवपुर से आई इस दमकल की गाड़ी ने भी आग पर काबू नहीं पा सकी। इसके बाद दमकल की चौथी गाड़ी भी मंगाई गई। **टंकी में पानी ला कर आग बुझाने का प्रयास** आज की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मंडी में प्रवेश करने की भी किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी। आग फैलने की आशंका से डरे लोग घरों में पानी की व्यवस्था कर रहे थे। जब दमकल की गाड़ियां आग के सामने बेबस नजर आईं तो दुकानदार और स्थानीय लोग ऑटो पर टंकी रखकर पाइप से आग बुझाने का प्रयास करने लगे। काफी मशक्कत के बाद आज पर काबू पाया जा सका। इस मीना बाजार में श्रृंगार के अलावा कपड़े सहित अन्य दुकानें हैं इसलिए आग तेजी से फैली। मीना बाजार मंडी से धुएं का गुबार उठ रहा था। आज से लगभग एक करोड़ की संपत्ति के नुकसान का अनुमान फिलहाल लगाया गया है। सप्ताह भर में मीना बाजार सब्जी मंडी में दूसरी बार आग लगने से दुकानदारों में काफी नाराजगी है। हालांकि आग कैसे लगी इसका स्पष्ट वजह सामने नहीं आ सका है। दुकानदारों के मुताबिक इस बार भी असामाजिक तत्वों द्वारा ही दुकानों में आग लगाई गई है। इससे पहले 14 जनवरी की देर रात में सुरेश केसरी उर्फ पप्पू केसरी और शिव प्रसाद केसरी की दुकानों में आ लगी थी। जिसमें दोनों दुकानों में करीब 3 लाख का नुकसान हुआ था।

नीतीश पलटू चाचा तो घोलटू भतीजा हैं तेजस्वी-आनंद मोहनःछपरा में बोले-अकलोल-बकलोल बेटों को सत्ता और राजनीतिक शक्ति के बल पर थोपना ही असली

छपरा छपरा में एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद आनंद मोहन ने विपक्ष और राजद पर जमकर हमला बोला। उन्होंने तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर नीतीश कुमार को पलटू चाचा कहते हैं, तो आप खुद घोलटू भतीजा हैं, जो बार-बार सत्ता के लिए घुलटकर चले जाते हैं। आगे आनंद मोहन ने कहा कि नीतीश कुमार तो राजद के यहां अर्जी देने नहीं गए हैं, बल्कि महागठबंधन के शीर्ष नेता ही उन्हें बुला रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव का उदाहरण देते हुए कहा कि वे उत्तर प्रदेश से पुकार लगा रहे हैं कि नीतीश कुमार समाजवादी हैं और उन्हें आना चाहिए।

सदन में ठाकुरों को किया जा रहा टारगेट चेतन आनंद की राज्यसभा सदस्यता समाप्त होने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि वे कोई व्यापारी नहीं हैं जो घाटा-मुनाफा देखकर राजनीति करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन में ठाकुरों को टारगेट किया जा रहा था और चेतन आनंद का विरोध वाजिब था। परिवारवाद पर बोलते हुए आनंद मोहन ने कहा कि अकलोल-बकलोल बेटों को सत्ता और राजनीतिक शक्ति के बल पर थोपना ही असली परिवारवाद है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति

लाठी, गोली, जेल और फांसी का सामना करते हुए आगे बढ़ता है और अपनी विरासत खुद बनाता है, वह परिवारवाद नहीं बल्कि संघर्षवाद है। उन्होंने यह भी कहा कि परिवारवाद, व्यक्तिवाद और तानाशाही लोकतंत्र के लिए अनुकूल नहीं हैं।

'केजरीवाल ने बिजली-पानी-दवा फ्री किए, वही जीतेंगे': झुग्गियों के लोग बोले- काम के बदले वोट देंगे

नई दिल्ली 'दिल्ली में रहते हुए 54 साल हो गए। बिहार के बक्सर से कमाने-खाने आए थे। पति को जहां काम मिल जाता है, कर लेते हैं। 100-50 रुपए मिल जाते हैं, तो रोटी खाकर सो जाते हैं, नहीं मिला तो भूखे सोते हैं। हारने-जीतने वाले सब नेता काम कर रहे हैं, लेकिन हमारी गरीबी तो दूर नहीं कर रहे।' दिल्ली की सर्द सुबह में चूल्हे पर हाथ सेंक रहीं वनीता को सरकार से बहुत शिकायतें हैं। 60 साल से ज्यादा उम्र हो गई, लेकिन बुजुर्गों वाली पेंशन नहीं मिलती। दो बेटा-बहू, चार पोते-पोतियों के साथ दो कमरे के घर में रहती हैं। पीने का पानी लेने दूसरी कॉलोनी में जाना पड़ता है। फिर भी उन्हें अरविंद केजरीवाल का काम पसंद है। वनीता का दुख अपना है, लेकिन उनकी कहानी दिल्ली के 3 लाख परिवारों की हैं। ये परिवार राजधानी की झुग्गियों में रहते हैं। रोजी-रोटी और अच्छी जिंदगी के तलाश में आए थे, लेकिन छोटे-छोटे कमरों में सिमट कर रह गए। दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। रिजल्ट 8 फरवरी को आएगा। झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले करीब 15 लाख वोटर 20 सीटों पर फैसला करते हैं। दैनिक भास्कर की स्पेशल सीरीज 'हम भी दिल्ली' के दूसरे एपिसोड में कुछ किरदारों के जरिए पढ़िए और देखिए, कुल वोट में 10% हिस्सेदारी रखने वाले ये लोग किस माहौल में रहते हैं, चुनाव और नेताओं के बारे में क्या सोचते हैं। दो हाई-प्रोफाइल सीट, दो बस्तियां, लेकिन कहानियां एक जैसी

वनीता जैसे लोगों की जिंदगी समझने के लिए हमने दो बस्तियां चुनीं। पहली है कालकाजी में नवजीवन कैंप। दिल्ली की CM आतिशी यहां से विधायक हैं और इस बार भी चुनाव लड़ रही हैं। दूसरी बस्ती कुसुमपुर पहाड़ी है, जो नई दिल्ली विधानसभा सीट से सटी है। नई दिल्ली सीट से पूर्व CM अरविंद केजरीवाल चुनाव लड़ रहे हैं। डेढ़ फीट की गलियां, अंदर सूरज की रोशनी भी नहीं जा पाती इंडिया गेट से महज 12 किलोमीटर दूर है कालकाजी। आलीशान कोठियों को पार कर आगे बढ़ते हैं, तो झुग्गियां दिखने लगती हैं। ये दिल्ली की सबसे पुरानी बस्तियों में से एक नवजीवन कैंप है।

झुग्गियों के बीच दो-दो फीट की गलियां हैं। कहीं तो ये सिकुड़कर डेढ़ फीट रह जाती है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में संजय रॉय दोषी करारःसियालदह कोर्ट ने 162 दिन बाद फैसला सुनाया, सजा का ऐलान सोमवार को होगा

कोलकाता कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर केस में सियालदह कोर्ट ने मुख्य आरोपी संजय रॉय को दोषी करार दिया है। जस्टिस अनिर्बान दास दोपहर 2.30 बजे फैसला सुनाया। संजय रॉय को सजा सोमवार को सुनाई जाएगी। अदालत ने 162 दिन बाद फैसला सुनाया है। रेप-मर्डर की घटना 9 अगस्त 2024 की है और फैसला 18 जनवरी 2025 को आया है। CBI ने आरोपी संजय के लिए फांसी की मांग की है। मुझे इस मामले में फंसाया गयता है। मैंने यह काम नहीं किया। जिन्होंने ये काम किया है, उन्हें जाने दिया गया है। एक IPS इसमें शामिल है। आरजी कर हॉस्पिटल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी। CCTV फुटेज के आधार पर पुलिस ने संजय रॉय नाम के सिविक वॉलंटियर को 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। मामले की जांच कर रही CBI ने 10 दिसंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया था कि सियालदह ट्रायल कोर्ट में रेगुलर सुनवाई हुई और 81 गवाहों में से 43 से पूछताछ की गई। इधर, शनिवार को फैसले से पहले पीड़ित के पिता ने कहा है कि आरोपी की सजा कोर्ट तय करेगा, लेकिन जब तक हमें न्याय नहीं मिल जाता हम अदालत का दरवाजा खटखटाते रहेंगे। **फैसले से पहले पीड़ित के पिता के 4 दावे** हमारे वकील और CBI ने हमें कोर्ट न जाने को कहा है। CBI ज्यादा कोशिश नहीं कर रही है। इसमें कोई न कोई जरूर शामिल है। मुझे हाल की कोर्ट कार्यवाही के बारे में कुछ नहीं पता। CBI ने

मुझे कभी कहीं नहीं बुलाया, वे एक या दो बार हमारे घर आए लेकिन जब भी हमने उनसे जांच के बारे में पूछा, उन्होंने हमेशा कहा कि जांच चल रही है। मेरी बेटी की गर्दन पर काटने के निशान थे, लेकिन वहां से सैम्पल नहीं लिया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी ठोस सबूत नहीं मिला। DNA रिपोर्ट में बताया गया है कि वहां 4 पुरुष और 2 महिलाएं मौजूद थीं। हम चाहते हैं कि इसमें शामिल सभी लोगों को सजा मिले।

आत्महत्या के लिए उकसाने के मामलों में सावधानी बरतें, कोर्ट-पुलिस संवेदनशील बनें... SC की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान शुक्रवार को कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने (आईपीसी की धारा-306 यानी बीएनएस की धारा-108) के मामले को केवल मृतक के परिवार की भावनाओं को शांत करने के लिए नहीं किया जा सकता। आरोपी और मृतक के बीच की बातचीत को व्यावहारिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। अतिशयोक्तिपूर्ण या भावनात्मक बातों को आत्महत्या के लिए उकसाने के रूप में बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया जाना चाहिए। इस मामले में याचिकाकर्ता एक बैंक मैनेजर था, जिस पर आरोप था कि उसने कर्ज चुकाने की मांग थी और इस कारण विक्टिम ने आत्महत्या कर ली। मैनेजर पर आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया था। जस्टिस ए.एस. ओका की अगुवाई वाली बेंच ने याचिकाकर्ता को धारा 306 IPC के तहत आरोप से मुक्त करते हुए कहा कि इस मामले में अपराध के लिए जो अहम तथ्य और मटीरियल होने चाहिए वह मौजूद नहीं हैं, ऐसे में यह मामला नहीं बनता। अदालत ने प्रैक्टिकल अप्रोच अपनाते हुए कहा कि आरोपी के कृत्य मृतक को आत्महत्या के लिए उकसाने की मंशा से नहीं किए गए थे।

सैमसंग ने नई 9केजी फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन लॉन्च किया

रांचीः इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपनी नई 9केजी फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन लॉन्च करके अपनी बीस्पोक एआई लॉन्ड्री सीरीज का विस्तार किया है। इंटेलिजेंट और एफिशिएंट लॉन्ड्री सॉल्यूशंस के क्षेत्र में नया मानक स्थापित करने वाले 12केजी मॉडल की जबरदस्त सफलता के बाद नई 9केजी वॉशिंग मशीन रेंज अधिक कॉम्पैक्ट आकार में समान पावरफुल परफॉर्मेंस और एडवांस्ड फीचर्स सुविधाएं प्रदान करती है। आधुनिक भारतीय घरों के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई ये मशीनें इनोवेशन के प्रति सैमसंग की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जो प्रीमियम टेक्नोलॉजी और बेहतर डिजाइन के साथ आज के उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करती हैं। सैमसंग इंडिया में डिजिटल एप्लाएंसेज के सीनियर डायरेक्टर गुफरान आलम ने कहा, स्लीक और कॉम्पैक्ट डिजाइन वाली हमारी 9केजी बीस्पोक एआई वॉशिंग मशीनें बेजोड़ प्रदर्शन करती हैं और किसी भी स्थान में आसानी से फिट हो जाती हैं। इनोवेशन किस प्रकार रोजाना के काम को सरल बनाते हुए कार्यकुशलता में वृद्धि कर सकता है, इसकी बेहतरीन मिसाल है कि ये वॉशिंग मशीनें एआई-संचालित फीचर्स जैसे एआई एनर्जी एआई कंट्रोल मोड तथा सुपरस्पीड जैसे फीचर्स के साथ आती हैं, जो उपभोक्ताओं को समय और ऊर्जा बचाने में सक्षम बनाती हैं। स्टाइल और कार्यक्षमता के संतुलन के साथ, इन मशीनों को बड़े भार के लिए क्षमता को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है। यह व्यावहारिकता को स्लीक और प्रीमियम डिजाइन के साथ मिलाती हैं। सैमसंग की नई 9केजी फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों में इंटेलिजेंस और एफिशिएंसी का संयोजन किया गया है, जिससे एआई-संचालित शक्तिशाली फीचर्स के साथ कपड़े धोना आसान हो जाता है। एआई एनर्जी मोड में संचालित कोर्सेज के लिए यह सैमसंग की इको बबल तकनीक का उपयोग करते हुए बिजली खपत को 70 प्रतिशत तक कम कर देता है। कपड़े की देखभाल को प्राथमिकता बनाते हुए एआई ईकोबबल आपको ईकोबबल टेक्नोलॉजी के साथ कुशलतापूर्वक और इंटेलिजेंट तरीके से कपड़े धोने की सुविधा देता है।

रांची रेल मंडल में अंतर मण्डलीय शतरंज टूर्नामेंट का शुभारंभ

रांचीः रांची मंडल रेल प्रबंधक सह अध्यक्ष सेरसा रांची जसमीत सिंह बिंद्रा ने हटिया स्थित रेलवे ऑफिसर्स क्लब में अंतर मण्डलीय शतरंज टूर्नामेंट का उद्घाटन किया तथा टूर्नामेंट में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं दी । इस टूर्नामेंट में दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय एवं रांची, चक्रधरपुर, आद्रा तथा खडगपुर चारो मंडल के कुल 28 खिलाड़ी भाग ले रहें है। टूर्नामेंट के सभी मैच छह राउंड में खेले जाएंगे तथा फाइनल मैच सोमवार को खेल जाएगा।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक हेमराज मीना, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ राजू तिर्की, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मंडल क्रीडा अधिकारी निशांत कुमार, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) साकेत कुमार, अन्य शाखा अधिकारी, अन्य अधिकारी, सेरसा रांची के महासचिव ओमप्रकाश ठाकुर तथा मंडल के कर्मचारी गण उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर समारोह स्थल का जायज़ा

रांची। उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा देर शाम गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी को लेकर मोरहाबादी मैदान का जायजा लिया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा तैयारी को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उपायुक्त द्वारा माननीय अतिथि के आवागमन, परेड, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, झांकी प्रदर्शन, एलईडी स्क्रीन, लाइटिंग एवं अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने संबंधित विभाग के पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए ससमय पूरी तैयारी सुनिश्चित करने को कहा।

ट्रैफिक, वाहनों की पार्किंग, सुरक्षा को लेकर भी उपायुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारी से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, सदर उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, नजारत उपसमाहर्ता सुदेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, उर्वशी पांडेय, अभियंता भवन निर्माण एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधि प्रकोष्ठ महानगर संयोजक बने जगदीश चंद्र पांडेय ,राम कृष्णा भगत और गंगाधर नायक सहसंयोजक

रांचीः विश्व हिंदू परिषद् प्रांत कार्यालय,किशोरगंज में विधि प्रकोष्ठ के अधिवक्ता जगदीश चंद्र पांडेय को रांची महानगर का संयोजक, अधिवक्ता राम कृष्णा भगत सहसंयोजक,अधिवक्ता गंगाधर नायक सहसंयोजक,अधिवक्ता मनीष सिंह को नए दायित्व मिलने पर अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रांत सहमंत्री सह बजरंग दल प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहां की समाज में अधिवक्ता की महत्वपूर्ण भूमिका हैं और समाज में कानून के वजह से ही सभी लोग अमन चैन से ही जीवन यापन करते हैं।इस मौके पर महानगर अध्यक्ष कैलाश केशरी ने सभी को शुभकामना देते हुए कहां की महानगर में विधि प्रकोष्ठ के नए टीम से आत्मबल मिलेगा और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलेगी । केशरी ने कहां की विधि प्रकोष्ठ जल्द ही कार्यकर्ताओं को कानूनी जानकारी देने का कार्य करनाऊ शुरू करेगी।इस मौके पर प्रांत प्रचार प्रसार सहप्रमुख प्रकाश रंजन,महानगर मंत्री विश्व रंजन, योगेश सत्संग प्रमुख,अधिवक्ता अमित पांडेय मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

बिजली के मुद्दे पर झारखंड चैंबर के उर्जा उप समिति की बैठक

रांचीः झारखण्ड चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स की उर्जा उप समिति की बैठक उप समिति चेयरमैन नन्द किशोर पाटोदिया की अध्यक्षता में चैम्बर भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में बिजली विभाग द्वारा बिजली की खपत में अनियमितता पाए जाने पर थाने पर एफआईआर दर्ज कर दिया जाता है जो सही नहीं है, सबसे पहले विभाग को जांच प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करनी चाहिए दोषी पाए जाने पर उसपर जुर्माना लगाना चाहिए एवं नहीं देने पर उसका कनेक्शन काट देना चाहिए। बिना जांच किये उपभोक्ता पर आरोप लगाना गलत है इस पर रोक लगनी चाहिए। घरेलु उपभोक्ताओं को सिक्यूरिटी पर ब्याज नहीं मिल रहा इस बात पर भी चिंता जताई गयी और इस पर विभाग को त्वरित कार्रवाई करने की भी बात कही गयी। उपभोक्ताओं को बिजली बिल 5-6 महीने में आता है और उसी के तहत भुगतान भी करना पड़ता है जबकि बिल हर महीने आना चाहिए जिससे भुगतान करने में भी कोई समस्या न हो यदि 5-6 महीने में बिल आये तो भुगतान भी उसी माध्यम से क़िस्त में किया जाये। रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने पर सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाती है यह सब्सिडी कमर्शियल एवं इंडस्ट्रियल को भी मिलना चाहिए इससे सोलर प्लांट को बढ़ावा मिलेगा तथा कुछ हद तक बिजली कमी से राहत मिलेगी। उपभोक्ताओं बिजली कैसे बचायी जाये इस उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया कि इस पर चैम्बर द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। पूर्व में बिजली बोर्ड द्वारा एडवाइजरी कमिटी का गठन किया गया था, उसे पुनः शुरू किया जाये एवं चैम्बर के प्रतिनिधि को उस कमिटी से जोड़ा जाये, जिससे उपभोक्ताओं की समस्या का निराकरण जल्दी हो सके। बैठक में उप समिति चेयरमैन नन्द किशोर पाटोदिया, सदस्य शशांक भरद्वाज, प्रमोद सारस्वत, महेंद्र जैन, ओमप्रकाश अग्रवाल, मनोज गोयल, सुनील गुप्ता, विजय छापरिया, मनमोहन मोहता सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रांची में कांग्रेस अल्पसंख्यक इकाई की बैठक, कहा- पार्टी समान अधिकार और समान अवसर के सिद्धांत पर चलती है

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष मंजूर अहमद अंसारी के निर्देश पर रांची महानगर कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष हुसैन खान की अध्यक्षता में आज बैठक संपन्न हुई। बैठक में अल्पसंख्यक प्रभारी कमरुल हसन समेत रांची महानगर के कई नेता व वार्ड पार्षद मौजूद थे। बैठक में रांची महानगर सदर हुसैन खान ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष की निर्देश पर महानगर अल्पसंख्यक विभाग कमेटी को मजबूती प्रदान करने के लिए यह बैठक रखी गई। सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया और पार्टी के उसूलों नजरिया पर आस्था व्यक्त करते हुए संकल्प जाहिर किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जिसमें सभी समाज और वर्ग के लोगों को समान अवसर देने अधिकारों के सुरक्षा की बात की जाती है। वहीं प्रभारी कमरुल हसन ने कहा कि कांग्रेस दबे कुचले और उपेक्षित लोगों की उम्मीद की किरण है। हमारी पार्टी हमेशा से न्याय की बात करती आई है। यही वजह है कि भारत में कांग्रेस का इतिहास सबसे पुराना है और यह सबसे मजबूत पार्टी है। बैठक में मुख्य रूप से निरंजन पासवान, जगदीश साहू इश्तियाक अहमद तुनु अख्तर अली मो साफर मोहसीन अहमद,राजू लकड़ा, किरण कुमारी, आसिफ अख्तर, फरहा नाज़, हूसना आरा, नाज़िमा राजा,शबाना खान, एहतेशम, नाज़िया असलम, सजदा खातून, सोनी परवीन, फिरोज असलम जमीला खातून, खालिल उमर, कुलभूषण टुडू आदि मौजूद थे।

सेवा भारती के वार्षिकोत्सव की तैयारी को लेकर समीक्षा

रांचीः सेवा भारती, रांची महानगर के वार्षिकोत्सव की तैयारी को लेकर भाग 4 की नगर निरीक्षिका व शिक्षिकाओं की बैठक सर्वव्यवस्था प्रमुख प्रमुख विनय लाल की अध्यक्षता में सेवा निकेतन, बिरसा चौक में संपन्न हुई। आगामी 9 फरवरी को सेवा भारती रांची महानगर के बाल मेला सह वार्षिकोत्सव में होने वाले योगासन,समूह गीत प्रतियोगिता,विज्ञान इवेंट्स, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारी का जायजा लेते हुए विनय लाल ने कहा कि अपनी तैयारी में कोई कमी नहीं रहे इसके लिए सामूहिक अभ्यास करना आवश्यक है।

बैठक में ब्रह्मानाद,गायत्री मंत्र, वंदना, गीत का अभ्यास कराया गया। इस बैठक में सेवा भारती के मनोज कुमार, मीडिया प्रभारी सौरभ कुमार,नगर निरीक्षिका में गायत्री देवी,चंचल देवी सहित बाल संस्कार केंद्र व सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही।

मांडर में कांग्रेस अल्पसंख्यक का बैठक का आयोजन किया गया

मांडर : प्रखंड के बॉम्बे तिग्गा कॉम्प्लेक्स में शनिवार दोपहर 12 बजे एक बैठक कांग्रेस अल्पसंख्यक संगठन का बिस्तर को लेकर एक आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश प्रभारी मंजूर आलम शामिल हुए बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी संगठन का ताकत उसके कार्यकर्ता होते है इसी कार्यकर्ता के बदौलत आज झारखंड महागठबंधन की सरकार बनने के बाद अल्पसंख्यकों के लिए जो कार्य क्या जाता है उनकी योजना हम सब मिलकर तैयार करे इसलिए हम सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवी लोगों से अपील करते है कि वह लोग भी हमारे साथ जुड़े और समाज के मुद्दों को आगे ले जाने के लिए इस सरकार के साथ मिलकर योजनाएं तैयार करें बैठक में शामिल प्रदेश महासचिव अख्तर अली, प्रदेश अल्पसंख्यक सचिव कमरुल हसन, रांची जिला ग्रामीण अल्पसंख्यक अध्यक्ष, प्रोफेसर आरिफ हसन, वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता आबिद अंसारी, तबारक खान, अयूब खान नसीम अंसारी, मसरूर आलम, समसुल शेख, मोहम्मद खालिद, दो जुल्फिकार सहित अन्य और कार्यकर्ता शामिल रहे।

मुखिया एवं उपमुखियागणों के क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला-सह-सम्मेलन का आयोजन

रांची जिला के ओरमांझी प्रखण्ड के रुक्का में आज दिनांक 18.01.2025 को मुखिया एवं उपमुखियागणों के क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला-सह-सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री ने उत्कृष्ट कार्य करनेवाले मुखियाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही जिलास्तरीय पदाधिकारियों ने अपने संबंधित विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की प्रस्तुति देकर विस्तृत जानकारी दी। क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला-सह-सम्मेलन में उपविकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर उत्कर्ष कुमार, अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था) श्री राजेश्वरनाथ आलोक सहित जिलास्तरीय पदाधिकारी, बीडीओ-सीओ एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी/कर्मी उपस्थित थे।

अबुआ ग्रुप का सदुपयोग करें - उपायुक्त, मंजूनाथ भजन्त्री क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला-सह-सम्मेलन में सभी मुखिया-उपमुखिया से संवाद करते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने पूछा कि कौन-कौन अबुआ ग्रुप से जुड़े हैं? उपायुक्त ने बताया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, जिला प्रशासन की गतिविधियों एवं द्विपक्षीय संवाद हेतु जिला के सभी प्रखण्डों के लिए अबुआ ग्रुप बनाया गया है। इस ग्रुप में बीडीओ, सीओ, जेएसएलपीएस के पदाधिकारी/कर्मी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पत्रकारों एवं अन्य लोगों को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय, प्रखंड/अंचल एवं पंचायत कार्यालय सही से काम करेंगे तो ग्रामीण क्षेत्र का विकास संभव है। उन्होंने सभी लोगों से अबुआ ग्रुप से जुड़ने की अपील की।

शिक्षक देर से स्कूल आयें तो अबुआ साथी को बतायें - उपायुक्त उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी मुखिया एवं उपमुखियागणों को जिला प्रशासन द्वारा जनशिकायत हेतु जारी व्हाट्सएप नंबर 9430328080 (अबुआ साथी) के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिला में सरकारी काम-काज में किसी तरह की अनियमितता होती है तो अबुआ साथी पर शिकायत करें। जिला प्रशासन द्वारा 24x7 सेल बनाकर अबुआ साथी पर आये शिकायतों का निष्पादन किया जा रहा है। श्री मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षक लेट से स्कूल आते हैं, स्वास्थ्य केन्द्र में एएनएम आ रही हैं या नहीं आदि अनियमितता से संबंधित शिकायत अबुआ साथी पर करें।

सभी को मिलकर समाधान ढूंढना है - उपायुक्त, मंजूनाथ भजन्त्री उपायुक्त, मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि जिला के सभी पंचायतों का सर्वांगीण विकास करना है और इसके लिए सभी को मिलकर समाधान ढूंढना है। उन्होंने कहा कि आप सभी के साथ मिलकर काम करने को जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि हर 15 दिनों में सभी मुखियागणों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद हो। उपायुक्त ने कहा कि पंचायत स्तर पर योजनाओं का क्रियान्वयन करनेवाले मुखिया-उपमुखिया है। सभी पंचायत भवनों में पानी, बिजली, इंटरनेट, कम्प्यूटर, शौचालय आदि बुनियादी सुविधाएं होगी तो संचालन ठीक से होगा। उपायुक्त ने कहा कि पंचायत स्तर पर सबसे अच्छा कार्य करनेवाले मुखिया को सम्मानित किया जायेगा।

आप सभी का सहयोग और सुझाव चाहिए - उपायुक्त उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि पंचायतों के सुदृढ़ीकरण के लिए आप सभी का सहयोग और सुझाव चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर सभी मुखियागण, पंचायत सचिव और रोजगार सेवक के साथ सप्ताह में एक दिन बैठक करें। उन्होंने बताया कि जिला स्तर पर सचिव और सेवक के पंचायत भवन में उपस्थित रहने हेतु रोस्टर भी तैयार किया गया है।

जनप्रतिनिधियों से मिले सुझावों का क्रियान्वयन करें - उपायुक्त क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला-सह-सम्मेलन में जिला के सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी भी उपस्थित थे। उपायुक्त द्वारा सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सुझाव लेने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त सुझावों के क्रियान्वयन की दिशा में भी सभी बीडीओ कार्य करें।

ग्रामीण क्षेत्र के लिए शुरु होगा टॉक टू डीसी कार्यक्रम उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि जल्द ही ग्रामीण क्षेत्र के लिए टॉक टू डीसी कार्यक्रम की शुरुआत की जायेगी। उन्होंने बताया कि महीने में एक बार टॉक टू डीसी कार्यक्रम होगा। उपायुक्त द्वारा सभी पंचायतों को एक्टिव रहते हुए रांची को मॉडल डिस्ट्रिक बनाने की दिशा में प्रयास करने की बात कही गयी।

अफीम की खेती एवं नशापान के खिलाफ शपथ उपायुक्त द्वारा क्षमता संवर्द्धन कार्यशाला-सह-सम्मेलन में उपस्थित मुखिया-उपमुखियागणों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित लोगों को अफीम की खेती के विरुद्ध शपथ दिलाया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी नशापान को लेकर सतर्क रहें और हड़िया-दारु बेचने वाली महिलाओं को भी मुख्यधारा से जोडें। उन्होंने रोजगार देने के नाम पर ठगी करनेवालों से भी सावधान रहने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि शंका होने पर ऐसे लोगों के बारे में जिला प्रशासन को फौरन जानकारी दें।

रांची में दीवार गिरने से मजदूर की मौत

रांची : रांची के पुंदाग थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई है। घटना अरगोड़ा- कटहल मोड़ रोड सालीमार बाग के पास की है। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर शव को कब्जे में लिया है।

झारखंड आंदोलनकारी स्निस्टिधर महतो का निधन

तमाड़ । रांची । अत्यंत दुःख जाहिर करते हुए आपको जानकारी दे रहे हैं कि तमाड़ स्थित भुन्याडीह के निवासी आजसू के संस्थापक सदस्य और चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी स्निस्टिधर महतो का मृत्यु हुई और आज भुन्याडीह मे उसका दाह संस्कार किया गया।

ज्ञात हो कि पिछले दिनों एनएच 33 के जोजोडिह में बाइक दुर्घटना में घायल हुए थे, उन्हें रिम्स में इलाज के बाद रामप्यारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 17 तारीख को इलाज के दरम्यान उनका देहांत हो गया। वे आजसू के स्थापना के समय से झारखंड राज्य स्थापना तक झारखंड आंदोलन में कई बार खूंटी जेल यात्रा कर चुके थे, और अंत तक झारखंड को संवारने में हमेशा तत्पर रहते थे।

आज उनके दाह संस्कार में ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन आजसू बृहत झारखंड के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष ललित कुमार महतो, आंदोलनकारी मेघनाथ महतो, तारानी महतो, अघनू महतो, दीनबंधु महतो सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए। सभी लोग इनके आत्म की शांति हेतु विनती करते हुए दाह संस्कार किए।

गुमला में सड़क हादसे में 2 की मौत, 3 घायल

गुमला : गुमला जिले के जारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सीसी करमटोली पंचायत के जर्माना रोशनपुर के पास 2 तेज रफ्तार बाइकों की टक्कर में 2 छात्रों की मौत हो गई। वहीं 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार दोनों बाइक बहुत तेज गति से चल रही थीं, जिससे यह भयानक दुर्घटना हुई। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

मृतकों की पहचान 10वीं कक्षा के छात्र राहिल कुमार (17) और जारी प्रमुख उर्मिला केरकेट्टा के भतीजे अनीश लकड़ा (22) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि एक बाइक पर राहिल कुमार, जूलियस केरकेट्टा (40) और रबि केरकेट्टा (17) सवार थे। वहीं दूसरी बाइक पर शिवचरण लोहरा (18) और अनीश लकड़ा पेट्रोल भरवाकर लौट रहे थे। तभी दोनों बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गयी।

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को चैनपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण शिवचरण लोहरा को सदर अस्पताल रेफर किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष किरणमाला बारा सदर अस्पताल पहुंचीं और मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। हादसे से इलाके में शोक का माहौल है।

गोरखा उत्कर्ष यूथ एसोसिएशन रॉक्स चैरिटी शो का आयोजन

रांची। गोरखा उत्कर्ष यूथ एसोसिएशन की ओर शनिवार को गोरखा रॉक्स चैरिटी शो का आयोजन जैप 1 स्थित टीकू हॉल मे किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ की गई जिसके बाद सोलो डांस, ग्रुप डांस, स्टैंड अप कॉमेडी, पयोतरी आर्ट एग्जिबिशन सहित कई कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में रॉक बैंड का परफॉर्मेंस हुआ जिसमें सोनू छेत्री, फोर लीफ क्लोवर, हाईवे 69, एंड्यक्ष,धर्मा 2.0, मेलोडी एडिक्ट्स, 10 टेक्स्ट, विश्वास थापा आदि ने अपनी प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उर्मिला प्रधान पति विनय प्रधान के इलाज(दोनों किडनी फेल) के लिए आर्थिक सहयोग पहुँचना था,जो गोरखा उत्कर्ष यूथ एसोसिएशन की ओर से चैरिटी शॉ आयोजित कर लगभग 2 लाख रुपए की सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं वार्ड 45 के भावी पार्षद प्रत्याशी रितेश कुमार थापा, विशिष्ट अतिथि के रूप में अमरेश कुमार श्रीवास्तव एवं नन्द किशोर चंदेल और अन्य अतिथि के रूप में अरुण प्रधान मन कुमार तमांग ,पुलिस मेंस एसोसिएशन ग्रुप, जैप 1 बटालियन के सूबेदार मेजर सुनील प्रधान सहित कमिटी के सभी सदस्य शामिल रहे।

रांची में नकली नोट देकर लोगों को ठगने वाले 3 अपराधी गिरफ्तार

रांची : रांची पुलिस ने नकली नोट चलाने की कोशिश कर रहे 3 युवकों को गिरफ्तार किया है। ये लोग अरगोड़ा थाना क्षेत्र में नकली नोट खपाने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने साहिल कुमार, मो. साबिर और अब्बू हुजैफा नाम के 3 लोगों को पकड़ा है। इनके पास से 4.99 लाख रुपये के नकली नोट बरामद किए गए हैं।

नकली नोट खपाने का तरीका गिरोह के लोग लोगों को धोखा देकर नकली नोट चलाते थे। वे नोटों की गड्डी के ऊपर और नीचे असली नोट लगाते थे, जिससे पूरा बंडल असली लगे। फिर एक असली नोट के बदले 3 नकली नोट देकर लोगों को फंसाते थे। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह में और कौन-कौन शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए युवकों का पहले से भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। मामले की आगे जांच जारी है।

शैक्षणिक भ्रमण के लिए 50 बच्चों का दल रवाना

मांडर : संत अन्ना कान्वेंट स्कूल मांडर के प्लस 2 के 50 विद्यार्थी और 5 शिक्षकों का दल शुक्रवार नालंदा , राजगीर एवं गया की शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हो गए। बच्चों के साथ स्कूल की प्रबंधक सिस्टर निर्मला ज्योति कच्छप, प्राचार्या सिस्टर एलेक्सिया बेक एवं अन्य तीन शिक्षक भी गए। इस तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बच्चे पावापुरी, नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगे एवं इन दार्शनिक स्थलों के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल करेंगे।

विवाहिता की मौत मामले में पति को पुलिस ने भेजा जेल

मांडर : मांडर पुलिस ने दो दिन पूर्व करकरा गांव में विवाहिता यासमीन परवीन की मौत के मामले में उसके पति मुंसफ अंसारी को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। घटना को लेकर यासमीन की मां ने उसके पति, सास और ससुर पर यासमीन की हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। ज्ञात हो कि दो दिन पहले यासमीन का शव उसके ससुराल में संदिग्ध अवस्था में पाया गया था। वहीं ससुरालवालों का कहना था कि यासमीन ने आत्महत्या की है जबकि उसके मायकेवालों ने यासमीन के ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। यासमीन की शादी दो वर्ष पहले हुई थी और उसकी एक साल की बेटी भी है।

जिला परिषद बिनोदित तिग्गा द्वारा अपने आवास मे गरीब असाय लोगो के बीच पचास कंबल का वितरण

मांडर,आज शुक्रवार जिला परिषद सदस्य बिनोदित तिग्गा ने अपने आवास मे बड़ते ठंड को देखते हुवे गरीब असाय बुड़ा बुड़ी के बीच लगभग पचास कंबल का वितरण मांडर जिला परिषद सदस्य बिनोदित तिग्गा ने किया गया इस दौरान जिला परिषद सदस्य ने कहा की हमेसा मेरा प्रयास रहता है की गरीब असहाय लोगो के बीच बड़ते ठंड को देखते हुवे जरूरतमंदो की मदत करना हीं सबसे बड़ा धर्म है और सभी गरीब असहायो को अस्वस्त किया की आगे भी इसी तरह मदत करते रहेंगे! मौक़े पर जिलि परिषद प्रतिनिधि रबूल अन्सारी, साबिर अन्सारी, रफीक अन्सारी, पप्पू गोप,अलीम अन्सारी समेत और लोग भी उपस्थित थे!

वरीय पत्रकार निर्मल महाराज के पिताजी पंचतत्व में विलीन

कसमार - बोकारो जिला के राष्टीय अखबार पंजाब केसरी अखबार के बोकारो जिला प्रभारी निर्मल महाराज के 75 वर्षीय पिताजी निवारण चंद्र महाराज विगत 18 जनवरी शनिवार के अहले सुबह अपने गांव कसमार में अंतिम सांस लिए । उनका सुबह 5:45 बजे निधन हो गया उनके निधन होने से बोकारो सहित कसमार ग्रामवासी ने शोक संवेदना प्रकट किया है । बताते चले की निवारण महाराज के निधन होने से कसमार महाराज टोला में एक अध्याय का अंत हुआ , ये अपने जीवन काल में कही महत्वपूर्ण और सामाजिक कार्य करते थे । गरीबों को आगे बढ़कर काफी सहयोग करते थे। इन्हीं का देन है कि कसमार महाराज टोला से कसमार चौक तक के सड़क का निर्माण इन्होंने ही अपने निजी खर्च से करवाया था । जिस कारण लोग उनके कार्यों की सराहनीय करते थे। यह अपने जीवन काल में कई अखबारों में लेखन भी किए हैं साथ ही हवाई जहाज पायलट में भी नौकरी लगा था , बीएसएल प्लांट में भी नौकरी लगा । सभी नौकरी को इन्होंने सामाजिक कार्य करने हेतु त्याग देकर सामाजिक कार्य में लग गए और निरंतर सामाजिक कार्य ही करते रहे उनकी स्वाभाविक व मिलनसार स्वभावी के कारण हमेशा ग्रामीणों के दिल में बसे रहते थे। यह अपने पीछे पूरा परिवार छोड़कर चले गए । जिनमे इनके दो पुत्र पोता पोती नाती नतीनी भरा पूरा परिवार को छोड़कर चले गए। इनके निधन होने से बोकारो सहित पूरे कसमार प्रखंड में शोक की लहर है ।उनके निधन होने पर बोकारो जिला के कई वरीय अधिकारी, पत्रकार समाजसेवी, जाने-माने वरीय नेतागण सहित पूरे कसमार प्रखंड के लोग ने उनके आवास में पहुंचकर इनके परिवार वालों को सांत्वना दिए एवं इनकी आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किए ।

मंत्री शिल्पी ने किया किसान मेला सह प्रदर्शनी का उद्घाटन, जतायी किसानों के प्रति प्रतिबद्धता

चान्हो : अमर शहीद वीर बुधु भगत की जन्म स्थली चान्हो के सिलागाई में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल का किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रमंडल स्तरीय मेला में पांच जिलों के किसान शामिल हुए। इस मेले का आयोजन कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग ने किया, जिसका उद्घाटन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत से पहले मंत्री शिल्पी तिर्की और अन्य अतिथियों ने अमर शहीद वीर बुधु भगत की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद किसानों को विभिन्न परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इस दौरान मंत्री शिल्पी ने मेले में लगे 50 से अधिक स्टॉल का निरीक्षण किया। साथ ही किसानों से उनके उत्पादों की जानकारी ली।

इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लोगों को संबोधित भी किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि "मंत्री बनने पर कई लोगों ने मुझसे कहा था कि मुझे शिक्षा या स्वास्थ्य विभाग में होना चाहिए था, लेकिन मैं जानती हूं कि मांडर कृषि बहुल क्षेत्र है और यहां कृषि विभाग से ही क्षेत्र का अधिकतम विकास संभव है।" उन्होंने किसानों के साथ सीधे संवाद की अहमियत पर जोर दिया। साथ ही कहा कि राज्य में गुमला, लोहरदगा, और खूंटी के किसान बेहतर काम कर रहे हैं, लेकिन मांडर इस मामले में पीछे है।

किसानों से की मेधा डेयरी से जुड़ने की अपील

शिल्पी ने आगे कहा कि कम कपड़े और छोटे मकान में हम रह सकते हैं, लेकिन बिना भोजन के जीवन असंभव है। उन्होंने ग्रामीण किसानों से मेधा डेयरी से जुड़ने की अपील की। साथ ही कहा कि दूध बेचकर किसान अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने राज्य के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं द्वारा किए जा रहे कृषि कार्यों की सराहना भी की, जैसे गुमला में अंडा उत्पादन और गिरिडीह में मछली पालन।

जानकारी हो कि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की ने इस अवसर पर यह भी घोषणा की है कि सभी पांच प्रमंडलों में किसान मेला आयोजित किया जाएगा। साथ ही विभाग की योजनाओं के तहत किसानों को सब्सिडी पर सहायता दी जाएगी। बता दें इस मौके पर राज्य समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने भी अपने विचार साझा किए। इसके अलावा किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया। कांके के विधायक सुरेश बैठा ने कृषि मंत्री से अपने क्षेत्र के किसानों के लिए दो कोल्ड स्टोरेज की मांग की।

महिला सहायता समूह को दिया चेक कार्यक्रम के दौरान चान्हो की महिला सहायता समूह को 7 करोड़ 16 लाख रुपए का चेक दिया गया। साथ ही विभिन्न पुरस्कारों का वितरण किया गया। इसमें सर्वश्रेष्ठ कृषक मित्र, सर्वश्रेष्ठ किसान, महिला किसान और किसान क्रेडिट कार्ड के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा मेले में पुस्तकों का विमोचन भी किया गया, जो किसानों की सफलता की कहानियों और कृषि के विभिन्न पहलुओं पर आधारित थी।

यह मेला किसान समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बनकर उभरा। इसमें उन्हें न केवल सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी मिली। बल्कि कृषि, पशुपालन, और सहकारिता के क्षेत्र में भी नई संभावनाओं की खोज की।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने गुमला उपायुक्त करण सत्यार्थी को जिला के समग्र विकास हेतु किए गए उत्कृष्ट कार्यों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लोक प्रशासन के क्षेत्र में "पीएम अवार्ड" सम्मान के लिए चयन होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सिलागाई में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शिनी

चान्हो/अमर शहीद वीर बुधु भगत की जन्म स्थली चान्हो के सिलागाई में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल का किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया . कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता के द्वारा आयोजित प्रमंडल स्तरीय किसान मेला में पांच जिलों के किसान शामिल हुए . किसान मेला सह प्रदर्शनी का उदघाटन विभागीय मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने की . किसान मेला में लगे 50 से ज्यादा स्टॉल का निरीक्षण करते हुए किसानों से उनके उत्पाद की जानकारी ली . इससे पहले अमर शहीद वीर बुधु भगत की प्रतिमा पर मंत्री सहित दूसरे अतिथियों ने माल्यार्पण किया गया . इस मौके पर विभाग के द्वारा किसानों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया . किसान मेला सह प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जब मंत्री पद की जिम्मेदारी मिली , तो कुछ लोगों ने कहा कि उन्हें शिक्षा मंत्री बनना चाहिए था , तो कुछ ने कहा कि उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनना चाहिए था . लेकिन मैं जानती हूं मांडर कृषि बहुल क्षेत्र है इसके विकास का ये बेहतर अवसर और विभाग है . इस विभाग से क्षेत्र और राज्य की जनता का ज्यादा से ज्यादा सेवा कर सकती हूं . किसानों से सीधा संपर्क कर , उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का काम करूंगी . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि गुमला _ लोहरदगा _ खूंटी _ के किसान बेहतर काम कर रहे है . यहां की दीदियां बहुत मेहनती है लेकिन मांडर पीछे है . विभाग के अधिकारी मांडर को रांची और शहर का हिस्सा मान कर योजना नहीं बनाते है . किसानों को आपस में संवाद करना जरूरी है . तब जान पाएंगे की गुमला क्या कर रहा है .लोहरदगा क्या कर रहा , खूंटी के किसानों ने नया क्या किया . आज रोजगार और पैसे के अभाव में किसान अपनी जमीन बेच रहे है .कही कारखाना खुल रहा है , तो कही अपार्टमेंट बन रहे है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कम कपड़ा _ छोटा मकान में आप और हम रह सकते है , पर बगैर भोजन के नहीं रह सकते है . उन्होंने ग्रामीण किसानों से मेधा डेयरी से जुड़ने और आज ही दुधारू गाय खरीदने की अपील की . मंत्री ने बताया कि दूध को मेधा डेयरी में दे कर 12 दिन में 5 रुपया अतिरिक्त का लाभ आसानी से ले सकते है . मांडर के कैम्बो की एक महिला महीने का डेढ़ से दो लाख रुपए दूध बेच कर कमा रही है . उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का 2500 रुपए को लाख में बदलने की योजना बनाने का काम महिलाएं करे . गुमला में महिलाएं अंडा का बेहतर काम कर रही है . किसान को गरीब बताया जाता है . किसान गरीब नहीं अन्नदाता है . गिरिडीह में मछली पालन कर समिति के लोग 40 लाख रुपया तक कमा रहे है . विभाग ने ये निर्णय लिया है कि पंचायत का तालाब पहले पंचायत में बंदोबस्त होगा . कृषि मित्र , मत्स्य मित्र , कृषि पदाधिकारी के बगैर विभाग अपाहिज है . VLW सिर्फ कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता विभाग का काम करें . सभी 5 प्रमंडल में किसान मेला लगेगा . इस मौके पर राज्य समन्वय समिति के सदस्य बंधु तिर्की ने कहा कि पहली बार चान्हो में प्रमंडल स्तरीय किसान मेला का आयोजन हुआ है . किसान मेला का लाभ कैसे मिले इस जोर देने की जरूरत है . सरकार की योजनाओं का लाभ गांव तक नहीं पहुंचा पाता है . इस मेले में आपको 90 प्रतिशत सब्सिडी पर मिलने वाली योजना है . विभाग की योजना से जुड़ कर पलायन को रोका जा सकता है . विभाग से जुड़ कर स्वरोजगार कर सकते है . बंधु तिर्की ने कहा कि समिति बना कर महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करना होगा . कांके विधायक सुरेश बैठा ने अपने क्षेत्र के किसानों के लिए कृषि मंत्री से दो कोल्ड स्टोरेज की मांग रखी . किसान मेला में मंच से चान्हो की महिला सहायता समूह को 7 करोड़ 16 लाख की राशि का चेक प्रदान किया गया . इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ कृषक मित्र का पुरस्कार मनोज कुमार , सर्वेश्रेष्ठ किसान का पुरस्कार गांसू महतो , सर्वश्रेष्ठ महिला किसान _ लखिया देवी किसान क्रेडिट कार्ड राजेश मुंडा , रोहित शिखर , विनय तिग्गा को दिया गया . मंच से इस मौके पर परिसंपत्ति का वितरण किया गया . जोड़ा बैल का वितरण , पांच गाय की योजना , बत्तख वितरण , बकरा विकास योजना , दुग्ध उत्पाद समिति को प्रमाण पत्र वितरण दिया गया . अतिथियों ने मंच से तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया . जिसमें किसानों की सफलता की कहानी , फलों के बाग का प्रबंधन , फसल की जानकारी पुस्तक शामिल है।

तेनुघाट डैम में वाटर साइड एडवेंचर एंड टूरिस्ट एटरेक्शन प्वाइंट का होगा निर्माण

बोकारो ।शनिवार को उपायुक्त विजया जाधव ने तेनुघाट डैम के पर्यटकीय सुविधाओं के विकास को लेकर पर्यटन विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्यों/योजना के प्रगति कार्य की समीक्षा बैठक की। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, भवन निर्माण निगम के कार्यपालक अभियंता सलभ कुमार, जिला पर्यटन पदाधिकारी श्रीमती हेमलता बुन, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, संबंधित एजेंसी के आर्किटेक्ट अतुल कुमार आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने क्रमवार तेनुघाट डैम के पर्यटकीय सुविधाओं के विकास को लेकर होने वाले कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों का स्लाइड देखा। संबंधित एजेंसी गौरव होम प्वाइंट की ओर से आर्किटेक्ट ने विस्तार से किए जाने वाले कार्यों एवं चरणबद्ध होने वाले कार्य – उसकी लागत से सभी को अवगत कराया। बताया कि तीन चरणों में कार्य किया जाना है, जिसमें लगभग 54 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

समीक्षा क्रम में बताया कि तेनुघाट डैम के समीप वाटर साइड एडवेंचर एंड टूरिस्ट एटरेक्शन प्वाइंट का निर्माण होगा, जिसके तहत गार्डेन रिसोर्ट, रिसोर्ट, रेस्टूरेंट, वाटर फाउंटेन, इंफारमेशन सेंटर, पार्किंग एरिया, ई-विह्किल – गोल्फ कार्ट, चिल्ड्रेन पार्क, लैंडस्केपिंग, कियोस्क, वाच टावर, एक्वाटिक गार्डन, बंबू वाकवे गार्डन,रोज गार्डन, कैफेटेरिया, सनराइज – सनसेट प्वाइंट, ग्लास ब्रिज, सेल्फी प्वाइंट, कोटेज, ईको विलेज, फलावर गार्डन आदि का निर्माण किया जाएगा।

उपायुक्त ने संबंधित एजेंसी के पीपीटी को देखते हुए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) जल्द तैयार कर समर्पित करने को कहा। ताकि राज्य स्तर से उसका अनुमोदन ससमय कराया जा सके। उन्होंने सिविल वर्क को कम से कम करने एवं पर्यावरण अनुकूल कार्यों को करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर विचार – विमर्श कर जरूरी दिशा – निर्देश दिया।

हिंदपीढ़ी से लापता हुई बहनों के मामले में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य, आधार कार्ड से की थी छेड़छाड़

रांची : रांची पुलिस ने हिंदपीढ़ी से गायब हुई दो लड़कियों को कर्नाटक से बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जिन्होंने लड़कियों को उनके घर से भागने में मदद की थी। जानकारी हो कि रांची पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस केस की जांच में अब तक कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

आधार कार्ड से की छेड़छाड़ मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने अपने इकबालिया बयान में कई अहम खुलासे किए हैं। उनके मुताबिक, लड़कियों को कर्नाटक ले जाने के बाद भाड़े पर घर लेने के लिए आधार कार्ड में एआई के जरिए छेड़छाड़ की गई थी। इस दौरान रहनुमा ने अपने पिता के नाम की जगह मोहम्मद इस्माइल और अमरीना ने अपने पिता के नाम की जगह जुनैद आलम का नाम दर्ज करवाया।

मजहर ने लड़कियों को रामगढ़ पहुंचाया लड़कियां घर से भागने के बाद कांटाटोली पहुंची, जहां उन्हें मजहर ने मिलकर रामगढ़ तक पहुंचाया। इसके बाद, जुनैद और इस्माइल लड़कियों को ट्रेन से कर्नाटक ले गए। रास्ते में दोनों लड़कियों ने अपने पिता को झूठी अपहरण की कहानी सुनाई और अपना फोन तोड़ दिया, ताकि उनका लोकेशन ट्रेस न हो सके।

फेसबुक पर लड़कियों से हुई थी पहचान जुनैद और इस्माइल की पहचान लड़कियों से फेसबुक पर हुई थी। उनका रिश्ता धीरे-धीरे प्यार में बदल गया और वे रांची अक्सर आते जाते थे। लगभग पांच सालों से यह सिलसिला जारी था। पहले दोनों लड़कों ने लड़कियों के परिवारों से शादी का प्रस्ताव रखा, लेकिन परिवार वालों ने इसे नकार दिया। इसके बाद उन्होंने भागने का फैसला किया।

प्रमंडलस्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी आज

चान्हो : शहीद वीर बुधु भगत के जन्म स्थल ग्राम सिलागांई में शनिवार को प्रमंडलस्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कृषि एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि व रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ विशिष्ट अतिथि, कल्याण मंत्री चमरा लिंडा, सांसद सुखदेव भगत, सांसद कालीचरण मुंडा व विधायक शामिल होंगे।

सिमडेगा, गुमला, खूंटी और चतरा में होने वाला है रेलवे निर्माण का काम

लोहरदगा रेलवे स्टेशन से गुमला होते हुए सिमडेगा जिला मुख्यालय रेल मार्ग का उड़ीसा के राजगांगपुर रेलवे स्टेशन तक हो विस्तार, ताकि उक्त रेल मार्ग हावड़ा मुंबई मेन रेललाइन से जुड़ सके

सिमडेगा, गुमला, खूंटी और चतरा जिला मुख्यालय को देश के रेल नेटवर्क से जोड़ने का काम शुरू हो गया है और इस संदर्भ में झारखंड रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सर्वे का काम पूरा कर लिया है। अभी तक उक्त चार जिला मुख्यालय रेल सुविधा से विहीन है झारखंड में, जिसके लिए यहां की जनता वर्षों से रेलवे की मांग को लेकर संघर्षरत है। सिमडेगा जिला मुख्यालय में रेल लाओ अभियान आंदोलन के तहत लगातार 15 वर्षों से संघर्षरत सामाजिक कार्यकर्ता दीपेश निराला ने उक्त जिलों में सर्वे कार्य पूरा होने और राज्य सरकार द्वारा रेलवे बोर्ड को इस संदर्भ में रिपोर्ट भेजे जाने पर सरकार को धन्यवाद दिया है और मांग किया है कि जैसाकि सर्वे में दर्शाया गया है लोहरदगा से गुमला 55 किलोमीटर और गुमला से सिमडेगा 43 किलोमीटर को जोड़ने का सर्वे हुआ है, इसका विस्तार सिमडेगा से करीब 28 किलोमीटर और करते हुए इस रेललाइन को उड़ीसा के राजगांगपुर रेलवे स्टेशन तक करने से यह पूरा रेल सर्किट हावड़ा मुंबई मेन रेललाइन से जुड़ जाएगा, जिससे लोहरदगा का अल्युमिनियम का अयस्क बॉक्साइट, इत्यादि कोरबा छत्तीसगढ़ स्थित देश की सबसे बड़ी अलमुनियम फैक्ट्री नाल्को तक पहुंच पाएगा, जिससे यह आदिवासी बहुल वन आच्छादित अति पिछड़ा क्षेत्र काफी तीव्र गति से विकास करेगा और रेलवे के कारण यहां निर्बाध बिजली आपूर्ति होगी जिससे पानी की आपूर्ति भी निर्बाध होगी, जिससे सैकड़ो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के साधन पैदा होंगे और कल-कारखानों का जाल बचेगा इस क्षेत्र में क्योंकि खनिज के साथ-साथ यह क्षेत्र वन उत्पाद के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है।

चाईबासा वन क्षेत्र में मिला हथिनी का शव

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा वन क्षेत्र में शुक्रवार को एक खेत में हथिनी का शव मिला है। वनाधिकारी आदित्य कुमार ने बताया कि उन्हें गुरुवार रात हथिनी की मौत की सूचना मिली थी, लेकिन रात होने के कारण उनकी टीम पट्टाजैंत गांव में घटनास्थल पर नहीं पहुंच सकी। उन्होंने बताया कि अपने झुंड से बिछड़ने के बाद हथिनी भटक कर जोतिया जंगल के पास एक गांव में पहुंच गई, जहां उसकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद मौत के कारणों का पता लगाने के लिए हथिनी के शरीर के नमूने रांची स्थित प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता नुनु लाल टुडू और लोगेन हेंब्रम के अत्यंत प्रयास करने के बाद सिद्धू कानू खेल मैदान रंगामाटी को मुक्त करने में सफल रही

धनबाद। सिद्धू कान्हू मैदान पर जबरन कब्जा करने के संबंध में श्री नुनुलाल टुडू सिद्धू कान्हू सेवा दल, आदिवासी सांस्कृतिक कार्यस्थत एवं खेल मैदान, आर. एम. के. 4, आकानगघुटू, सिन्दरी, धनबाद, झारखण्ड की शिकायत पर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के माननीय सदस्य (डॉ. आशा लकड़ा) के समक्ष दिनांक 03.12.2024 को हुई सिटिंग/सुनवाई का कार्यवृत। आयोग द्वारा इस संबंध में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगे जाने हेतु उपायुक्त, धनबाद झारखण्ड को आयोग की ओर से नोटिस दिनांक 01.05.2023 भेजा गया। आयोग के नोटिस के सन्दर्भ में कोई उत्तर/ रिपोर्ट न प्राप्त होने पर आयोग के माननीय सदस्य (डॉ आशा लकड़ा) द्वारा दिनांक 03.12.2024 को सिटिंग/सुनवाई तय की गई तदनुसार सम्बंधित प्राधिकारियों को सिटिंग / सुनवाई नोटिस जारी किए गए।

सुनवाई के दौरान उपायुक्त, जिला-धनबाद, झारखंड आयोग के समक्ष उपस्थित हुए। शिकायतकर्ता सुनवाई में अनुपस्थित रहे। मामले में सुनवाई के उपरांत आयोग द्वारा निम्नलिखित अनुशंसाएं की गई :

1. विद्यालय में अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए और जिला प्रशासन इस पर ध्यान दे कि किसी भी प्रकार से अनुसूचित जनजाति के छात्रों के साथ नामांकन के दौरान भेदभाव न हो।
2. विद्यालय में सिद्धू - कान्हू जैसे अनुसूचित जनजाति के क्रांतिकारी नायक, जिन्होंने 1855 में ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ हुई क्रांति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन क्रांतिकारियों की प्रतिमा लगाई जाए, जिससे विद्यालय में छात्रों को देश के ऐसे वीरों के बारे में पता चले और उनसे प्रेरणा मिले।
3. कथित भूमि पर मौजूद सरना स्थल का घेराव सुनिश्चित किया जाए।

ऑल नोबिलियन्स एलुमनी असोसिएशन की पांचवीं बेंगलुरु चैप्टर पुनर्मिलन समारोह हर्ष और उत्साह के साथ सम्पूर्ण हुआ

डी नोबिली स्कूल के 1973 बैच से लेकर 2020 तक के एलुम्नाई ने "ऑल नोबिलियन्स' एलुम्नाई एसोसिएशन के रीयूनियन" में भाग लिया। इस आयोजन में डी नोबिली स्कूल से पढ़े आज विभिन्न क्षेत्रों से आए, जिनमें डॉक्टर, प्रोफेसर, संगीतकार, चित्रकार, मीडिया के लोग, फैकल्टी सदस्य, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, व्यापारी, मल्टीनेशनल कंपनी के वाइस प्रेजिडेंट, वित्तीय सलाहकार, बैंक कर्मचारी, डायरेक्टर (माइनिंग), चार्टर्ड अकाउंटेंट, सीईओ, जीएम और कई अन्य पेशेवर शामिल थे। ये सभी बेंगलुरु, मैसूर, वेल्लोर, चेन्नई, कोलकाता, धनबाद आदि शहरों से आए थे।

डी नोबिली डिगवाडिह, सीएमआरआई, सिंदरी से कुल 5 सेवानिवृत शिक्षक व शिक्षिका इस रीयूनियन में शामिल हुए, जिनमें डेरिक हैमिल्टन, अंजना पंडित, सरस्वती रमन, इला प्रसाद और रवीन्द्र कौर भाटिया से आए हुए थे।

कार्यक्रम की शुरुआत रजिस्ट्रेशन किट वितरण के साथ हुई, उसके पश्चात सभी को स्नैक्स और पेय और गुलाब फूल दे कर स्वागत किया गया। इसके बाद दीप प्रज्वलन, स्कूल प्रार्थना और उन सभी के लिए एक मिनट का मौन रखा गया जो अब हमारे साथ नहीं हैं। शिक्षकों का परिचय और उनका सम्मान शॉल, मिठाई और मोमेंटो से किया गया, इसके बाद दिलचस्प गेम से सभी को सम्मिलित किया गया। एलुम्नाई एक दूसरे के साथ अनौपचारिक ढंग से मिले और पुरानी यादें ताजा किए।इसके बाद सभी उपस्थित को एएनएए-टीजी से अवगत कराए, और दो नई पहल का उद्घाटन किया गया: 1. एलुम्नाई मेंटरशिप2. हमारे बीच प्रसिद्ध नोबिलियन्स पर आधारित माह में एक वीडियो पॉडकास्ट।इसके बाद २५ और ५० साल पास हुए ग्रेजुएट एलुमनाई (१९७३और १९७४ के साथ १०९८ और १९९९) बैच से केक कटिंग करवाया गया। रात्रि में स्वादिष्ट भोजन और संगीत का आयोजन हुआ, फिर स्कूल सांग गाया गया। समूह फोटो खींची गई बैच और ब्रांच को शिक्षक द्वारा मोमेंटो वितरण करवाया गया। अंत में आभार ज्ञापन किया गया। डी नोबिली स्कूल डिगवाडी, सीएमआरआई, मुगमा, सिंदरी, सिजुआ और सीटीपीएस के एलुमनी ने अपना भाग लिए। आंख नम हुई और फिर अगली बार मिलने का वादा किया।

यह आयोजन में सालों की उपलब्धियों और सदस्यों के बीच सामाजिक और पेशेवर नेटवर्किंग को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर मिला है। इस मीट में नोबेलियंस को एक मंच प्रदान किया गया है, जहां पुरानी यादों को ताजा करने, अनुभवों को साझा करने और नए रिश्ते बनाने का अवसर मिलते आया है।

जरूरतमंद महिलाओं और पुरुषों के बीच कंबल एवं स्वेटर का वितरण

धनबाद। सेल कोलियरी प्रभाग, चासनाला के सौजन्य से निगमित सामाजिक दायित्व (CSR) कार्यक्रम के अंतर्गत टासरा माइन के निकट रोरहबंध बस्ती और धोरा बस्ती में जरूरतमंद महिलाओं और पुरुषों के बीच कंबल एवं स्वेटर का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ठंड के मौसम में गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना था। चासनाला कोलियरी प्रभाग ने यह पहल समाज के वंचित तबकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए की, ताकि ठंड के मौसम में उन्हें राहत प्रदान की जा सके।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियां1. कंबल और स्वेटर वितरण: बस्ती के जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाव के लिए कंबल और स्वेटर दिए गए। इस दौरान महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को विशेष प्राथमिकता दी गई।

शिविर लगाकर रैयतों के बीच मुआवजा का करें वितरण: उपायुक्त

जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण को लेकर संचालित विभिन्न परियोजनाओं के तहत भूमि अधिग्रहण कार्य की प्रगति का शनिवार को उपायुक्त विजया जाधव ने संबंधित पदाधिकारियों एवं राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएचएआइ) के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। उन्होंने क्रमवार सभी परियोजनाओं को लेकर चल रहें कार्य प्रगति की क्रमवार जानकारी ली। इस दौरान बचे हुए रैयतों का मुआवजा वितरण को लेकर संबंधित अंचलों में शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने आगामी 21 जनवरी को कसमार प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में एवं 25 जनवरी को पेटरवार प्रखंड सह अंचल कार्यालय में शिविर आयोजित करने को कहा। इसकी निगरानी बैठक में उपस्थित अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी को करने को कहा। शिविर के आयोजन की जानकारी रैयतों को देने एवं इसका प्रचार – प्रसार क्षेत्र में करने को कहा। ज्यादा से ज्यादा रैयतों का भुगतान शिविर में हो जाएं, इसे सुनिश्चित करें।

जिला आधार निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

18 वर्ष से अधिक आयु के आधार पंजीकरण के लिए लंबित मामलों का भौतिक सत्यापन करने के दिए निर्देश

आधार केंद्रों पर आमजनों से निर्धारित शुल्क ही ली जाए यह सुनिश्चित करें

जीरो से 05 वर्ष के बच्चों का आधार पंजीकरण शत प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी की अध्यक्षता में आज दिनांक 18 जनवरी 2025 को समाहरणालय में जिला आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सीएससी के द्वारा बताया गया कि जिला में पीएससी(PSC) में 52 एवं यूसीएल(UCL) में 17 किट चलाए जा रहे हैं। एडीएम सप्लाई ने निर्देशित किया कि इन सभी स्थान पर जाकर लगातार जांच करें एवं यह सुनिश्चित करें कि आधार में बदलाव, नए आधार बनाने समेत अन्य कार्यों में निर्धारित दर ही लिए जाए एवं संबंधित कार्य की निर्धारित शुल्क वहां सूचना पट पर उपलब्ध हो।

वही शिक्षा विभाग से आए प्रतिनिधि को यह निर्देशित किया गया की विभाग से पत्राचार कर सभी बीआरसी में सारे किट को एक्टिवेट कराएं। साथ हीं जो भी मशीन उपलब्ध कराई गई हो वह स्थाई जगह पर हो या सुनिश्चित करें। साथ ही समाज कल्याण पदाधिकारी को यह निर्देशित किया गया कि टैबलेट एवं आधार मशीन को एक्टिवेट करा कर आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित कर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को शत प्रतिशत बच्चों का आधार बनाएं।

18 वर्ष से अधिक आयु के आधार पंजीकरण के लिए लंबित मामलों का प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित करने के बाद में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एडीएम सप्लाई ने कहा कि सभी बीडीओ फील्ड वेरिफिकेशन करने के बाद ही 18 से अधिक उम्र वाले आवेदन का निष्पादन सुनिश्चित कराएं।

मौके पर समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, परियोजना पदाधिकारी यूआईडी अमित कुमार समेत स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहें।

30 जनवरी से 14 फरवरी तक चलाया जाएगा कुष्ठ जागरूकता एवं कुष्ठ रोग खोज अभियान

धनबाद। उप विकास आयुक्त सादात अनवर की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय के सभागार में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान - 2025 एवं कुष्ठ रोग खोज अभियान (द्वितीय चक्र) के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उप विकास आयुक्त ने गांव स्तर पर ग्रामगोष्ठी का आयोजन करने, आंगनबाड़ी, स्कूलों व स्वास्थ्य केंद्रों में शपथ दिलाने एवं कुष्ठ रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया।

वहीं सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन ने कहा कि 30 जनवरी से 14 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता एवं कुष्ठ रोग खोज अभियान के दौरान जिन-जिन गांवों में विगत 5 वर्षों के अंदर एक भी कुष्ठ के रोगी मिले हैं वहां सहिया एवं पुरुष स्वयंसेवक द्वारा घर-घर जाकर लोगों की शारीरिक जांच की जाएगी एवं उन्हें कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक किया जाएगा।

अभियान के दौरान लोगों को बताया जाएगा कि यह रोग न अभिशाप है न पुश्तैनी रोग है। इलाज करने से इस रोग से निजात मिल जाती है। दवाईयों का खुराक नियमित रूप से करने से यह रोग पूर्ण रूप से ठीक हो सकता है। उपचार एवं इसकी दवा सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क दी जाती है।

सिविल सर्जन ने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने प्रखण्ड में बैठक आयोजित कर अभियान की जानकारी सभी सहिया व संबंधित लोगों को देने को कहा।

बैठक में कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ मंजू दास ने कुष्ठ रोग के लक्षण, उसका उपचार एवं सहिया द्वारा रोगी के प्रति जवाबदेही पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, डीपीएम नीरज कुमार यादव, डॉ विकास राणा, डॉ सुनील कुमार सिंह, फिजियोथैरेपिस्ट दीपाली राय, स्वास्थ्य विभाग के लिपिक रणधीर कुमार, जितेन्द्र कुमार, एनजीओ पाल, आत्मस्वाभिमान, टाटा स्पर्श के प्रतिनिधि, सभी प्रखंड के एमओआईसी एवं प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्रवासी मजदूरों के निबंधन,लाभ हेतू निरसा प्रखंड में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन

श्रम विभाग के संचालित सभी योजनाओं का विस्तृत रुप से दी गई जानकारी

धनबाद। जिले के निरसा प्रखंड में प्रवासी मजदूरों से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला स्किल कॉर्डिनेटर आशीष कुमार ने प्रवासी श्रमिकों से संबंधित समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वैसे श्रमिक जो रोजगार के लिए दूसरे प्रदेशों, देशों में रोजगार के बेहतर तलाश में जाते हैं वे अनिवार्य रूप से श्रमाधान.झारखण्ड.जी0ओ0भी0.कॉम पोर्टल पर प्रवासी मजदूर अधिनियम 1979 के अंतर्गत निबंधन कराकर जाएं ताकि श्रमिकों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो । उनके द्वारा बताया गया कि सामान्य मृत्यु, दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा के कारण जिले के प्रवासी श्रमिक की मृत्यु/अशक्त होने पर उन्हे अपने घर तक लाने के लिए 50 हजार तक की राशि मुख्यमंत्री झारखण्ड प्रवासी श्रमिक दुर्घटना कोष से दी जायेगी,प्रवासी श्रमिक की दुर्घटना में दो अंग या दोनों आँख या अंग की हानि होने पर एवं दुर्घटना/प्राकृतिक आपदा में श्रमिक की मृत्यु होने पर पंजीकृत एवं अपंजीकृत प्रवासी श्रमिकों को 75 हजार से दो लाख रूपये तक का भुगतान किया जायेगा। उनके द्वारा श्रम विभाग के संचालित सभी योजनाओं का जानकारी विस्तृत रुप में प्रोजेक्टर (ओडियो, विडियो)के माध्यम से प्रदर्शित किया गया एवं सभी आगन्तुकों से अपील किया गया कि जो भी मजदुर अपने राज्य से दूसरे राज्य में कार्य करने जाते है वे अपना निबंधन प्रवासी मजदूर के रुप में श्रम विभाग में जरुर करवायें। साथ ही सहायक श्रमायुक्त द्वारा बिभाग से संचालित झारखण्ड असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा योजना/ झारखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में निबंधन तथा मुख्यमंत्री सारथि योजना अंर्तगत संचालित योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी गई । मौके पर ब्लॉक के प्रखंड के प्रमुख, उप प्रमुख, मुखिया, वार्ड सदस्य के साथ के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहें।

सब्जी विक्रेताओ ने हटिया के समस्यो के समाधान के लिए पूर्व विधायक आनंद महतो को आमंत्रित किया

सिन्दरी:-धनबाद। एक बैठक सब्जी विक्रेताओ ने पूर्व विधायक आनंद महतो के साथ हटिया की समस्याओ को रखा। हटिया वालो की समस्या यह था कि वो लोग चाहते है कि खाली जगह मे दुकान बनाये, बनने के बाद हमलोग स्थापित हो जाएगे। इसके वाद हमलोग दूकान खालि कर देगे। पूर्व विधायक आनंद महतो ने कहा कि इसकी विधिवत सूचना एफ सी आई प्रबंधन, थानाध्यक्ष और एक प्रतिलिपि पूर्व विधायक आनंद महतो के नाम पर दे तो बातचीत कर समाधान का प्रयास करूँगा। हटिया कमेटी के सदस्यो ने मार्गदर्शन पर चलने को तैयार हो गये। उपस्थित लोगो मे ललन ठाकुर, छोटे लाल,संजय साव के साथ अन्य सब्जी बिक्रेता के साथ माले से कृष्ण कुमार महतो विमल रमानी, राजीव मुखर्जी, प्रकाश महतो, जित्तू सिंह सुरेश प्रसाद, छोटन चटर्जी, मंगल महतो लोटन गुप्ता के साथ अन्य योगदान दिए।

अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया

सरायकेला । खरसावां। पुलिस अधीक्षक सरायकेला खरसावां के निर्देशानुसार दिनाँक- 18.1.2025 को सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत विभिन्न थाना क्षेत्र में करीब 15.3 एकड़ अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया जिनकी विवरणी निम्न प्रकार है:-

• चौका थाना क्षेत्र अंतर्गत अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चांडिल के नेतृत्व में SSB मतकमडीह की कंपनी एवं थाना प्रभारी चौका के साथ ग्राम हेसाकोचा एंव टुरू में करीब 3.5 एकड़ अवैध रूप से लगाये गए अफीम की खेती को नष्ट किया गया।

उपायुक्त ने निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम, साइंस सेंटर का निरीक्षण किया

साहिबगंज उपायुक्त हेमंत सती ने शनिवार को निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम का दौरा किया और कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

उन्होंने स्टेडियम के निर्माण में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ठेकेदार और संबंधित पदाधिकारियों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की और निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं पर चर्चा की।

उपायुक्त ने कहा कि यह स्टेडियम क्षेत्र के युवाओं के लिए खेल सुविधाओं का एक उत्कृष्ट केंद्र बनेगा। उन्होंने निर्माण कार्य में आधुनिक तकनीक और सामग्री के उपयोग पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने निर्माण कार्य की समय-सीमा पर विशेष ध्यान देने और गुणवत्ता से समझौता न करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

साइंस सेंटर के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने इसे शैक्षणिक और वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि इसका लाभ छात्रों और स्थानीय लोगों को मिल सके।

बिना परिवहन चालान अवैध बालू लदा हाइवा व ट्रेक्टर जब्त

गोविंदपुर व टुंडी थाना में एफआईआर दर्ज

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी पं राजेश कुमार, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक, बसंत उरांव, विजय करमाली, सुमित प्रसाद एवं आवंटित सशस्त्र बल के साथ संयुक्त रूप से गोविन्दपुर ए इस संबंध में खनन पदाधिकारी ने बताया कि जांच के कम में गोविन्दपुर थाना क्षेत्र के मोहन पेट्रोल पम्प के पास एक बिना नंबर प्लेट के बालू लदा लाल रंग का महिन्द्रा ट्रैक्टर तथा पूर्वी टुण्डी थाना क्षेत्र के पोखरिया चौक के पास एक बालू लदा हाईवा जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 10 सी.एम. 3992 है, को बिना परिवहन चालान का अवैध रूप से बालू का परिवहन करते हुए पाये जाने पर विधिवत जब्त कर हुए संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई।

दोनों वाहनों के चालक जांच दल को देखते ही फरार हो गये।

खनन पदाधिकारी ने बताया कि खनिज के अवैध खनन, परिवहन व भंडारण किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगापं तथा व्यापक रूप से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समाज के हर व्यक्ति को सड़क सुरक्षा के प्रति बनाना है जागरूक : एसएसपी

धनबाद। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत शनिवार को रणधीर वर्मा चौक से सिटी सेंटर तक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को वरीय पुलिस अधीक्षक श्री हृदीप पी जनार्दनन एवं ट्रैफिक डीएसपी श्री अरविंद कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना कया।

इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि 31 जनवरी 2025 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर सड़क सुरक्षा के प्रति समाज के हर व्यक्ति को जागरूक बनाना है।

उन्होंने कहा कि सड़क पर लगातार वाहनों की संख्या बढ़ रही है। सड़क सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करने से दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसलिए लोगों को वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना चाहिए।

साथ ही कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति या व्यक्तियों के परिवार पर आर्थिक बोझ भी पड़ता है। कभी-कभी देखा गया है कि सड़क दुर्घटना में परिवार का एकमात्र कमाने वाले व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इसलिए सभी लोगों से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की जाती है।

रैली के दौरान पुलिस उपाधिक्षक यातायात अरविंद कुमार सिंह ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत यातायात के नियमों की जानकारी दी।

मौके पर नेहरू युवा केन्द्र के रवि मिश्रा, सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनिल कुमार, रोड इंजिनियरिंग एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी देवेंद्र कुमार, नेहरू युवा केन्द्र तथा पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज के छात्र, ट्राफिक पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

बीआईटी सिंदरी – इनोवाथॉन'25, बीआईटी सिंदरी द्वारा आयोजित 36 घंटे लंबे राष्ट्रीय हैकथॉन के दूसरे दिन

बीआईटी सिंदरी – इनोवाथॉन'25, बीआईटी सिंदरी द्वारा आयोजित 36 घंटे लंबे राष्ट्रीय हैकथॉन के दूसरे दिन, 20 प्रतिभागी टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। प्रोडक्शन और इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC 7.0) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का अभिनव समाधान पेश किया। प्रतिभागियों का मार्गदर्शन प्रतिष्ठित मेंटर्स ने किया, जिनमें शामिल थेः प्रो. प्रकाश कुमार, डॉ. एस.सी. दत्ता, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. सुमंता मुखर्जी, डॉ. मुकेश चंद्र, अकरम खान, डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. सूर्य नारायण पांडा, डॉ. काशिफ हसन हजमी, डॉ. मनोवर हुसैन, विजय कुमार बेसरा, श्री अरविंद कुमार, श्री संजय पाल, और श्री गुंजन गांधी। उनके अनुभव ने प्रतिभागियों को नई सोच और नवाचार की दिशा में प्रेरित किया। प्रमुख प्रोजेक्ट्स इस प्रकार हैं:• टीम नन्ही (दुमका इंजीनियरिंग कॉलेज): बच्चों की स्वास्थ्य निगरानी के लिए एक सुरक्षित और सेंसर-इंटीग्रेटेड बेबी बेड विकसित किया। • ग्रेड माइंड्स (हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी): कोयला खनन कार्यों को अनुकूलित करने के लिए एक मशीन लर्निंग-आधारित प्रणाली तैयार की। • मॉर्फएक्स (बीआईटी सिंदरी): पाइपलाइनों और संकरे स्थानों में सुरंगों को नेविगेट करने के लिए "स्नेक बोट" डिज़ाइन किया। • विज़नरी गार्जियन्स (बीआईटी सिंदरी): एक उन्नत रोड सेफ्टी सिस्टम बनाया जिसमें अनुकूल हाई-बीम नियंत्रण और स्मार्ट ब्रेकिंग तंत्र शामिल हैं। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों की नवाचारी सोच और तकनीकी कौशल का प्रमाण था, जिसने तकनीकी प्रगति की नई लहर को प्रेरित किया। विजेताओं की घोषणा समापन समारोह में की जाएगी।

दहेज हत्या मामले में अभियुक्त को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा

पलामू जिले के माननीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-05, डालटनगंज, ने एस.टी. नंबर 29/2015, तरहसी थाना कांड संख्या 40/2014, दिनांक 11.07.2014, धारा 304 (बी) भारतीय दंड संहिता में आज, दिनांक 18.01.2025 को अपना फैसला सुनाया। अदालत ने अभियुक्त पच्चु साव, पिता- गणेश साव, निवासी- परसाई, थाना- तरहसी, जिला- पलामू को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष कठिन कारावास की सजा सुनाई है। मामले का सारांशः वादी रघु साव, पिता- स्व. बोधी साव, निवासी- गोईन्दी, थाना- तरहसी के लिखित आवेदन पर यह मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि वादी की पुत्री मुन्ती देवी को अभियुक्त द्वारा दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।कांड का अनुसंधानकर्ताः इस मामले की जांच स०अ०नि० हरिराम पासवान, तरहसी थाना, पलामू द्वारा की गई थी। उनके सटीक और निष्पक्ष अनुसंधान के परिणामस्वरूप यह सजा संभव हो सकी।

नौकरियों की बहार... कैंपस से 32,000 फ्रेशर्स की भर्ती करेंगी ये दो दिग्गज आईटी कंपनियां

देश को दो बड़ी आईटी कंपनियों ने अपना तीसरी तिमाही का रिजल्ट जारी कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने अगले फाइनेंशियल ईयर में कैंपस हायरिंग के बारे में भी जानकारी दी है। इन कंपनियों की अगले वित्त वर्ष के दौरान करीब 32,000 फ्रेशर्स को हायर करने की योजना है।

नई दिल्ली: रोजगार के मोर्चे पर अच्छी खबर है। देश को दो दिग्गज आईटी कंपनियों की अगले फाइनेंशियल ईयर में कैंपस से करीब 32,000 भर्तियां करने की योजना है। इन्फोसिस ने फाइनेंशियल ईयर 2026 में 20,000 फ्रेशर्स को हायर करने की बात कही है जबकि विप्रो की योजना 10,000 से 12,000 फ्रेशर्स को हायर करने की है। विप्रो ने शुक्रवार को अपना तीसरी तिमाही का रिजल्ट घोषित करने के मौके पर यह बात कही। यह इस बात का संकेत है कि कई सेक्टर्स में डिमांड लौट रही है। विप्रो के चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर सौरभ गोविल ने कहा कि कंपनी हर साल 10,000-12,000 फ्रेशर्स की भर्ती करेगी। उन्होंने कहा कि इस साल 10,000 फ्रेशर्स की कैंपस से भर्ती की जाएगी। तीसरी तिमाही में कंपनी ने कैंपस से करीब 7,000 भर्तियां की थीं। अगली तिमाही में 2,500-3,000 लोगों की भर्ती करने की योजना है। उन्होंने कहा कि हम केवल उतने ही ऑफर दे रहे हैं जिन्हें हम नौकरी दे सकते हैं। हमने अपना सबक सीख लिया है और अब हम फूंक-फूंककर कदम आगे बढ़ा रहे हैं। विप्रो अपने लेटरल और कैंपस हायरिंग मॉडल्स की समीक्षा कर रही है ताकि मार्जिन बढ़ाने के लिए कर्मचारियों के यूटिलाइजेशन रेट सुधारने पर फोकस किया जा सके। गोविल ने कहा कि पिछले दो साल के दौरान स्टॉप-स्टर्ट अप्रोच के बाद कंपनी ने सभी पेंडिंग ऑफर्स को पूरा किया है और रेगुलर हायरिंग को फिर से शुरू किया है। कंपनी फ्रेशर लेवल हायरिंग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का सहारा ले रही है।

अब नहीं बढ़ेगा आपके मोबाइल का बिल! जियो-एयरटेल का वर्चस्व तोड़ने के लिए सरकार ने बनाया 'मास्टर प्लान'

टेलिकॉम इंडस्ट्री लंबे समय से संघर्ष कर रही है। 2016 में रिलायंस जियो की एंट्री ने तहलका मचा दिया था जबकि 2019 में एजीआर बकाये पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने रही सही कसर पूरी कर दी। अब सरकार इस इंडस्ट्री को बड़ी राहद दने की तैयारी में है।

नई दिल्ली: *सरकार टेलिकॉम सेक्टर में एक बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। सरकार एजीआर बकाये पर टेलिकॉम कंपनियों को बड़ी राहत दे सकती है। इसका सबसे ज्यादा फायदा कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया को होगा। 2019 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल जैसी दूरसंचार कंपनियों पर सरकार का भारी बकाया है। इसमें ब्याज और जुर्माने का एक बड़ा हिस्सा है। सूत्रों के मुताबिक सरकार 50% ब्याज और 100% जुर्माना तथा जुर्माने पर ब्याज माफ करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। अगर इसे लागू किया जाता है तो यह भारत में टेलिकॉम बिजनस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ होगा। साथ ही इससे टेलिकॉम सेक्टर में दो बड़ी प्राइवेट कंपनियों के दबदबे को चुनौती मिलेगी। सूत्रों ने बताया कि अगर इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिलती है तो टेलिकॉम कंपनियों को 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय राहत मिलेगी। इसमें सबसे ज्यादा फायदा वोडाफोन आइडिया को मिलेगा। इस कंपनी पर सरकार का हजारों करोड़ रुपया बकाया है। प्रस्तावित राहत के तहत वोडाफोन आइडिया का एजीआर बकाया 52,000 करोड़ रुपये से अधिक कम हो सकता है। वित्तीय रूप से मजबूत भारती एयरटेल को करीब 38,000 करोड़ रुपये और टाटा टेलीसर्विसेज को 14,000 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी। रिलायंस जियो पर कोई एजीआर बकाया नहीं है। टाटा टेली अब रिटेल सर्विसेज नहीं देती है बल्कि एंटरप्राइजेज मोबिलिटी सर्विसेज देती है।*

बजट में हो सकती है घोषणा

एक सूत्र ने कहा कि इस प्रस्ताव पर वित्त मंत्रालय, दूरसंचार विभाग और कैबिनेट सचिवालय सहित उच्चतम स्तर पर चर्चा की जा रही है। सरकार 1 फरवरी के बजट में इस उपाय की घोषणा करने के लिए काम कर रही है। टेलिकॉम इंडस्ट्री साल 2016 में रिलायंस जियो की एंट्री के बाद से कड़ी प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है। अक्टूबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के रुख का समर्थन करते हुए टेलिकॉम कंपनियों पर 1.47 लाख करोड़ रुपये का एजीआर बकाया लगाया। इसमें 92,642 करोड़ रुपये लाइसेंस शुल्क और 55,054 करोड़ रुपये स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) शामिल थे। बकाया राशि का लगभग 75% ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज था।

FD, बचत खाता और लॉकर को लेकर RBI का निर्देश, नहीं किया यह काम तो होगा नुकसान

आरबीआई ने बैंकों को एक निर्देश जारी किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि बैंकों को नए और सभी मौजूदा ग्राहकों के जमा खातों तथा सुरक्षा लॉकरों में नॉमिनी सुनिश्चित करना चाहिए। नामांकन सुविधा का मकसद डिपॉजिटर्स की मृत्यु पर परिवार के सदस्यों की कठिनाई को कम करना तथा दावों का शीघ्र निपटान करना है।

नई दिल्ली: रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने नॉमिनी (कानूनी वारिस) को लेकर बैंकों और NBFCs (नॉन-बैंकिंग फाइनैंशल कंपनियां) को निर्देश जारी किया है। इसके मुताबिक अब हर Fixed Deposit (FD), सेविंग अकाउंट और लॉकर के लिए नॉमिनेशन जरूरी है। RBI ने सभी बैंकों को ये आदेश दिया है कि वो अपने पुराने और नए हर ग्राहक से नॉमिनेशन जरूर करवाएं। नामांकन सुविधा का उद्देश्य जमाकर्ता/जमाकर्ताओं की मृत्यु पर परिवार के सदस्यों की कठिनाई को कम करना तथा दावों का शीघ्र निपटान करना है। केंद्रीय बैंक के सर्कुलर में कहा गया है कि बड़ी संख्या में जमा खातों में नॉमिनी उपलब्ध नहीं हैं। जानिए क्यों जरूरी है नॉमिनेशन...

इकॉनमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई ने पाया है कि बहुत सारे अकाउंट्स में नॉमिनेशन नहीं है। ऐसे में अगर अकाउंट होल्डर की मौत हो जाती है तो उनके परिवार वालों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नॉमिनेशन होने से, अगर कोई भी परिजन गुजर जाए तो उसके सेविंग अकाउंट, FD या लॉकर का पैसा नॉमिनी को बिना किसी देरी या कानूनी झंझट के आसानी से मिल जाएगा। शुक्रवार के RBI के सर्कुलर के मुताबिक, शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक्स (SCBs - RRBs को छोड़कर), प्राइमरी (अर्बन) को-ऑपरेटिव बैंक्स (UCBs) और डिपॉजिट लेने वाली NBFCs के लिए नॉमिनेशन की हिदायतें मास्टर सर्कुलर में शामिल कर दी गई हैं। इन नियमों में बैंकों को ये भी कहा गया है कि वो लोगों को नॉमिनेशन के फायदे अच्छे से समझाएं और इसकी जानकारी हर जगह दें। निगरानी कैसे होगी? नए RBI के निर्देश के मुताबिक, Customer Service Committee (CSC) या बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स नियमित तौर पर नॉमिनेशन की स्थिति की समीक्षा करेंगे। 31 मार्च से प्रगति की रिपोर्ट हर तिमाही DAKSH पोर्टल के जरिए दी जाएगी। अकाउंट खोलने के फॉर्म में भी बदलाव किए जाएंगे जिससे ग्राहक नॉमिनी चुन सकें या नॉमिनेशन से मना भी कर सकें। RBI ने कहा है कि समय-समय पर अभियान चलाए जाएं।

किसी अकाउंट या इन्वेस्टमेंट में नॉमिनी वो शख्स होता है, जिसे अकाउंट होल्डर चाहता है कि उसकी मौत के बाद उसका पैसा उसे मिल जाए। जब आप कोई अकाउंट खोलते हैं या बाद में नॉमिनी का नाम जोड़ते हैं, तो ये सुनिश्चित होता है कि अकाउंट होल्डर की संपत्ति आसानी से उस शख्स को मिल जाए। यह शख्स परिवार का सदस्य या दोस्त या जानकार, कोई भी हो सकता है। अकाउंट होल्डर जब चाहे, अपने अकाउंट से नॉमिनी का नाम बदल सकता है। नॉमिनेशन होने से परिवार वाले कानूनी झंझटों से बच सकते हैं। अगर नॉमिनी नहीं है, तो परिवार वालों या कानूनी वारिसों को संपत्ति पाने के लिए लंबी और थका देने वाली प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अगर नॉमिनी है तो उसे सिर्फ अपना पता, बैंक डिटेल और पहचान पत्र दिखाना होगा और पैसा उसके नाम ट्रांसफर हो जाएगा। नॉमिनी न होने की वजह से मरने वाले शख्स के परिवार को बैंक/इंश्योरेंस कंपनी से पैसा पाने में कानूनी अड़चनें आ सकती हैं। कई बार कोई दूर का रिश्तेदार या अनजान शख्स भी खुद को वारिस घोषित कर देता है। ऐसे में मामला और उलझ जाता है। अगर परिवार के सदस्यों में आपसी कलह हो जाए तो मामला कोर्ट तक चला जाता है। इसका फैसला होने में 6 महीने या कई साल तक लग सकते हैं। इस परेशानी से बचने के लिए, आज ही अपने अकाउंट में नॉमिनी का नाम दर्ज करवा लें।

यूपी में बनेंगे हेलीकॉप्टर? एयरबस-टाटा प्रोजेक्ट के लिए 3 और राज्य भी हैं होड़ में

नई दिल्ली: यूपी को एक बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और यूरोप की दिग्गज कंपनी एयरबस ने भारत में सिंगल इंजन वाले H125 हेलीकॉप्टर बनाने के लिए पिछले साल जुलाई में एक डील की थी। भारत में पहली बार कोई निजी कंपनी अपनी हेलीकॉप्टर एसेंबली फैसिलटी बना रही है। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक एयरबस हेलीकॉप्टर ने इसके लिए चार लोकेशन को शॉर्टलिस्ट किया है। इसमें एक लोकेशन उत्तर प्रदेश में भी है। यूपी के अलावा गुजरात, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी लोकेशन का एसेसमेंट किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि फाइनल लोकेशन के बारे में जल्दी ही घोषणा की जा सकती है। माना जा रहा है कि इस फैसिलिटी से अगले साल पहला हेलीकॉप्टर बनकर तैयार हो जाएगा। पिछले साल जनवरी में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान इस डील की घोषणा हुई थी। माना जा रहा है कि शुरुआत में इस फैसिलिटी में सालाना 10 हेलीकॉप्टर बनाए जाएंगे और बाद में ऑर्डर के मुताबिक प्रोडक्शन बढ़ाया जा सकता है। Airbus Helicopters का अनुमान है कि भारत और एशिया में अगले 20 साल में 500 हल्के हेलीकॉप्टर की डिमांड आ सकती है।

खेती में 'प्राइवेट एंट्री' से डर क्यों? एग्रीकल्चर मार्केटिंग की नई पॉलिसी में निजी कंपनियों से सुरक्षा चाहते हैं किसान

केंद्र सरकार ने नई कृषि विपणन नीति का एक मसौदा जारी किया है। सरकार कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री के नए तरीके तय करने पर काम कर रही है। इसके लिए उनसे सभी संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी है ताकि नीति को बेहतर बनाने में मदद मिले।

केंद्र सरकार फिलहाल कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री के नए तरीके तय करने पर काम कर रही है। इसके लिए सरकार ने नई कृषि विपणन नीति का एक मसौदा जारी किया है। इसका मकसद यह है कि इसमें दिए गए सुझावों पर सबकी राय ली जा सके। सरकार की मंशा है कि सभी संबंधित पक्ष अपने सुझाव और आपत्तियां देकर नीति को बेहतर बनाने में मदद करें। एक्सपर्ट आगे बढ़ें । माना जा सकता है कि सरकारी अधिकारियों ने कृषि विपणन (agricultural marketing) के सभी पहलुओं को इस मसौदे में शामिल किया होगा। इस लिहाज से स्वतंत्र विशेषज्ञों और विद्वानों के पास इस पर टिप्पणी करने की वजहें भी हैं। आशा है कि आने वाले दिनों में इस क्षेत्र के विशेषज्ञ अपनी राय रखने के लिए आगे आएंगे। फिलहाल, ज्यादातर प्रतिक्रियाएं किसान संगठनों की ओर से ही आ रही हैं।

उपभोक्ता भी शामिल हों । एग्रीकल्चर मार्केटिंग से जुड़ी किसी भी सरकारी नीति को ऐसा बनाना कि उस पर कोई आपत्ति न उठे, बहुत मुश्किल है। मार्केटिंग ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कई लोग जुड़े होते हैं। दो वर्ग इसमें मुख्य है। एक, किसान जो कृषि उत्पाद तैयार करते हैं और दूसरा वर्ग व्यापारियों व भंडारण करने वालों का। हालांकि किसी लोकतांत्रिक सरकार की नीति में उपभोक्ता को भी उतना ही जरूरी हितधारक माना जाना चाहिए।

राज्य-केंद्र में समन्वय । नई कृषि विपणन नीति में मुख्य रूप से ढांचागत विकास और कृषि बाजार की पहुंच बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है। उदाहरण के तौर पर, राष्ट्रीय स्तर पर एकीकृत कृषि बाजार बनाने का प्रस्ताव है। एक और अहम बिंदु यह है कि कृषि विपणन राज्य सूची का विषय है। ऐसे में, इस मसौदे में राज्य और केंद्र सरकार के बीच बेहतर समन्वय बनाने की कोशिश भी नजर आती है। आम सहमति । मसौदे में सुझाव दिया गया है कि हर राज्य कृषि विपणन सुधार समिति बनाए, जिसमें राज्य के कृषि विभाग के मंत्री शामिल हों। यह समिति राष्ट्रीय एकीकृत कृषि बाजार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्यों के बीच सिंगल लाइसेंसिंग, सिंगल रजिस्ट्रेशन और standardized fees जैसे मुद्दों पर सहमति बनाने का काम करेगी। डिजिटलीकरण पर जोर । नई नीति में बेहतर डिजिटल ट्रेडिंग और ई-मार्केट सिस्टम की बात है। माना जा रहा है कि इससे किसानों को देश के अलग-अलग बाजारों की बेहतर जानकारी मिल सकेगी। अभी किसानों को नहीं पता होता कि किस बाजार में क्या मांग है, किस तरह की क्वॉलिटी चाहिए या क्या रेट होना चाहिए। ऐसे में वे मार्केटिंग से जुड़े सही कदम नहीं उठा पाते। बाजार का विस्तार । नई नीति में कृषि बाजारों के विस्तार पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सरकारी मानकों के अनुसार, हर 80 वर्ग किलोमीटर में एक संगठित थोक बाजार होना चाहिए, लेकिन फिलहाल औसतन 407 वर्ग किलोमीटर में एक बाजार है। यही नहीं, कुल 7057 संगठित बाजारों में से 1100 पूरी तरह से बंद पड़े हैं। प्राइवेट की भागीदारी । प्रस्तावित नीति का एक और बड़ा उद्देश्य किसानों के लिए अलग-अलग बाजारों के विकल्प खोलना है। बाजार में कई विकल्प होने से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ती है, जिससे उत्पादक को अपने उत्पाद का सही दाम मिलता है। इसके लिए मसौदे में बिना हिचक कहा गया है कि निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए। सरकार चाहती है कि किसान पारंपरिक मंडियों के अलावा अपने उत्पाद सीधे निजी खरीदारों, निर्यातकों और उपभोक्ताओं को भी बेचें। इससे वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज और साइलोस जैसी सुविधाओं में निजी निवेश बढ़ सकता है। हालांकि, निजी निवेश को लेकर किसान संगठनों और अन्य हितधारकों के बीच सबसे ज्यादा चिंता जताई जा रही है। वाजिब सवाल । सरकार के लिए हमेशा कठिन सवाल रहा है कि किस क्षेत्र को निजी दखल के लिए खोला जाए और किसे सरकारी नियंत्रण में रखा जाए। यह सही है कि निजी क्षेत्र केवल मुनाफे के आधार पर काम करता है, और वहां जनकल्याण को प्राथमिकता देना मुश्किल होता है। हालांकि, यह भी सही है कि तेज विकास के लिए निजीकरण से बेहतर कोई दूसरा विकल्प नहीं है। नियंत्रण की जरूरत । निजी क्षेत्र के पास पर्याप्त संसाधन और पेशेवर कौशल होते हैं। शायद इसी वजह से देश ने आजादी के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था का रास्ता चुना, जिससे निजी और सरकारी नियंत्रण के बीच संतुलन बना रहे। इस तरह भारत ने जनकल्याण के क्षेत्रों को सुरक्षित रखते हुए अपनी विकास दर बढ़ाई। मुश्किल हालात में किसानों को सहारा मिल सके, इसलिए कृषि को सरकारी नियंत्रण में ही रखा गया। पर इससे अन्य क्षेत्रों के मुकाबले कृषि में ढांचागत विकास कम हुआ। MSP पर चिंता । गौर से देखें तो मसौदे में न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का जिक्र नहीं है। यही किसानों की सबसे बड़ी चिंता है। किसान इस बात से सुरक्षा चाहते हैं कि खुले बाजार में सारा मुनाफा निजी कंपनियां न ले जाएं। स्थिति यह है कि कृषि विपणन नीति पर किसी भी तरह की चर्चा बिना किसानों की चिंताओं, खासकर कृषि उत्पादों के दाम को ध्यान में रखे बिना पूरी नहीं हो सकती। ऐसे उपाय करने की दरकार है, जिससे निजी क्षेत्र के एकाधिकार की आशंका खत्म हो जाए।

ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में जाएंगे मुकेश अंबानीः ट्रम्प के साथ कैंडललाइट डिनर करेंगे; 18 को अमेरिका रवाना होंगे

नई दिल्ली भारत के सबसे अमीर इंसान मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने जाएंगे। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक यह जानकारी ट्रम्प के शपथ ग्रहण कार्यक्रम से जुड़े एक अधिकारी ने दी है। अंबानी 18 जनवरी को वॉशिंगटन डीसी पहुंचेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह में अंबानी दंपती को अहम सीट मिलेगी। वे ट्रम्प कैबिनेट के नोमिनेट मेंबर्स और इलेक्टेड ऑफिसर्स के साथ बैठेंगे। इसके अलावा कैबिनेट का एक स्वागत समारोह और उपराष्ट्रपति का डिनर भी होगा, जिसमें अंबानी परिवार शामिल होगा। नीता और मुकेश अंबानी 19 नवंबर की रात राष्ट्रपति ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ कैंडललाइट डिनर में शामिल होंगे। शपथ ग्रहण के दौरान ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले वे 2017 से 2021 के बीच 45वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर चुके हैं।

20 जनवरी 2017 राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण में डोनाल्ड ट्रम्प। शपथ ग्रहण में 3 पूर्व राष्ट्रपति रहेंगे, मिशेल ओबामा नहीं आएंगी ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रपति जो बाइडेन उनकी पत्नी जिल बाइडेन, उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और उनके पति डग एमहॉफ रहेंगे। हालांकि पिछली बार ट्रम्प ने बाइडेन के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा नहीं लिया था। वे अमेरिका के 150 साल के इतिहास में पहले ऐसे राष्ट्रपति थे, जिन्होंने ऐसा किया था। ट्रम्प की गैरमौजूदगी में राष्ट्रपति की जिम्मेदारी तत्कालीन उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने निभाई थी। इस बार शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश उनकी पत्नी लौरा बुश और बिल क्लिंटन और हिलेरी क्लिंटन के भी मौजूद रहने की बात कही जा रही है। मिशेल ओबामा समारोह में मौजूद नहीं रहेंगी।

पहली बार विदेशी मेहमानों को न्योता, भारत से जयशंकर जाएंगे अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है जब विदेशी नेताओं को राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में न्योता भेजा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले, हंगरी से विक्टर ऑर्बन, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली मौजूद रहेंगे। भारत से विदेश मंत्री एस जयशंकर के अलावा QUAD देशों के विदेश मंत्री भी मौजूद रहेंगे। अमेरिकी उद्योगपतियों में इलॉन मस्क के अलावा, जेफ बेजोस, मार्क जुकरबर्ग और सैम ऑल्टमैन मौजूद रह सकते हैं।

ट्रम्प के शपथ ग्रहण में रिकॉर्ड चंदा शपथ ग्रहण समारोह के लिए ट्रम्प की टीम को रिकॉर्ड चंदा मिला है। ट्रम्प से बेहतर रिश्ता बनाने के लिए उद्योगपति जमकर फंडिंग कर रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अभी तक 170 मिलियन डॉलर (करीब 1.5 हजार करोड़ रुपए) आ चुके हैं। यह आंकड़ा 200 मिलियन डॉलर तक भी पहुंच सकता है।

पिछली बार बाइडेन के शपथ ग्रहण समारोह में 62 मिलियन डॉलर (500 करोड़ रुपए) का चंदा इकट्ठा हुआ था। वहीं ट्रम्प के 2017 के शपथ ग्रहण समारोह में 107 मिलियन डॉलर (925 करोड़ रुपए) इकट्ठा हुए थे।

यूरोप जा रहे 44 पाकिस्तानियों की समंदर में डूबकर मौतःमोरक्को के पास अटलांटिक महासागर में नाव पलटी, अवैध तरीके से स्पेन जा रहे थे

इस्लामाबाद अवैध तरीके से यूरोप जा रहे 44 पाकिस्तानी नागरिकों की अटलांटिक महासागर में डूबकर मौत हो गई है। पाकिस्तानी वेबसाइट डॉन के मुताबिक पश्चिम अफ्रीका से स्पेन जा रही नाव मोरक्को के दखला पोर्ट के पास डूब गई। नाव पर 80 से ज्यादा लोग सवार थे। इसमें 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जिसमें ज्यादातर पाकिस्तानी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक लोगों को ले जाने वाला जहाज सफर के दौरान लापता हो गया था। इसे ढूंढ़ने की कोशिश की गई थी लेकिन यह तब नहीं मिल पाया था। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इस हादसे पर दुख जताया है और मानव तस्करी को रोकने के लए कदम उठाने की बात कही। वहीं, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अधिकारियों से घटना पर रिपोर्ट मांगी और कहा कि मानव तस्करी के जघन्य कृत्य में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। 2023 में ग्रीस के इसी इलाके में अवैध अप्रवासियों को ले जा रही एक नाव डूब गई थी, जिसके परिणामस्वरूप 262 पाकिस्तानियों की मौत हो गई थी। एक दिन पहले भी नाव डूबी थी, 36 लोग बचाए गए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मोरक्को में उसका दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। मंत्रालय ने बयान में कहा, 'राबत (मोरक्को) में हमारे दूतावास ने हमें सूचित किया है कि मॉरिटानिया से रवाना हुई 80 यात्रियों को ले जा रही एक नाव, जिसमें कई पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल हैं, मोरक्को के दखला बंदरगाह के पास पलट गई। इसमें पाकिस्तानियों सहित कई जीवित बचे लोग दखला के पास एक शिविर में ठहरे हुए हैं। ' नौका पलटने की घटना से एक दिन पहले भी ऐसा ही हादसा देखने को मिला था। मोरक्को के अधिकारियों ने एक दिन पहले ही एक नौका से 36 लोगों को बचाया था।

ये नाव बीते दो जनवरी को मॉरिटेनिया से 86 प्रवासियों को लेकर रवाना हुई थी। इन प्रवासियों में 66 पाकिस्तानी भी शामिल थे। वॉकिंग बॉर्डर्स की CEO ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि डूबने वाले लोगों में से 44 लोग पाकिस्तान के थे।

नाइजीरिया को मिला BRICS पार्टनर देश का दर्जाः ब्राजील ने किया ऐलान; अब तक 9 देश बन चुके हैं ऑफिशियल BRICS पार्टनर

ब्राजिलिया 2024 में रूस के कजान में हुई ब्रिक्स समिट में 13 देशों को पार्टनर देश का दर्जा दिया गया था। अफ्रीका महाद्वीप का देश नाइजीरिया शुक्रवार को औपचारिक रूप से BRICS का पार्टनर सदस्य बन गया है। रूस की न्यूज एजेंसी RT के मुताबिक ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उजबेकिस्तान के साथ नाइजीरिया 9वां ऑफिशियल BRICS पार्टनर बन गया है। ब्राजील सरकार BRICS की अपनी अस्थायी अध्यक्षता का इस्तेमाल करते हुए आज 17 जनवरी, 2025 को BRICS में पार्टनर देश के तौर पर नाइजीरिया के ऑफिशियल एंट्री की घोषणा करती है। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा दुनिया की छठी बड़ी आबादी और अफ्रीकी महाद्वीप की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था (3.29 लाख करोड़ रुपए) होने के नाते नाइजीरिया के हित अन्य BRICS देशों से मेल खाते हैं। नाइजीरिया ने BRICS देशों के साथ मिलकर ग्लोबल साउथ को मजबूत करने और ग्लोबल ऑर्डर में सुधार लाने के लिए प्रयासों किए हैं। पिछले साल रूस के कजान शहर में आयोजित BRICS समिट में 13 देशों को पार्टनर देश का दर्जा दिया गया था। इनमें से अब तक 9 देश औपचारिक तौर पर इसके पार्टनर देश बन गए हैं। तेल और गैस के भंडार, आपसी संघर्ष से अशांति नाइजीरिया अफ्रीका का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। नाइजीरिया की आबादी 22 करोड़ है। यह देश सबसे तेजी से आबादी बढ़ने वाले देशों में शामिल है। नाइजीरिया में तेल और गैस के विशाल भंडार हैं, लेकिन आपसी संघर्ष की वजह से यहां लगातार राजनीतिक उथल पुथल मची रहती है। BBC के मुताबिक नाइजीरिया दो भागों में बंटा हुआ है। उत्तरी हिस्सा जहां मुसलमान बहुसंख्यक हैं वहां गरीबी ज्यादा है। दक्षिणी और पूर्वी नाइजीरिया में ईसाई आबादी ज्यादा है। ये इलाका ज्यादा संपन्न है। 7 जनवरी को दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया BRICS का स्थायी सदस्य बन था। इंडोनेशिया BRICS में शामिल होने वाला 10वां स्थायी सदस्य देश है। साउथ अफ्रीका ने साल 2023 में ईरान, UAE, इजिप्ट और इथोपिया के साथ सऊदी अरब के शामिल होने की घोषणा की थी।

पाकिस्तानियों की करतूत पर सऊदी प्रिंस MBS आगबबूला, 10 हजार लोगों को जेल में डाला, शहबाज सरकार ने माना सच

पाकिस्तानी पूरी दुनिया में बदनाम होते जा रहे हैं और करीब 20 हजार लोगों को जेल में डाल दिया गया है। इसमें केवल सऊदी अरब में ही 10 हजार पाकिस्तानी जेल में बंद हैं। ये पाकिस्तानी ड्रग्स की तस्करी से लेकर हिंसा करने के आरोप में बंद हैं। इससे पाकिस्तान की जमकर किरकिरी हो रही है।

इस्लामाबादः पाकिस्तान दावा करता है कि इस्लामिक देशों के अगुआ सऊदी अरब के साथ उसके बहुत ही मजबूत रिश्ते हैं। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को अपना भाई तक करार देते हैं। इस बीच शहबाज सरकार ने अब स्वीकार किया है कि सऊदी अरब पाकिस्तानियों पर बहुत ही सख्त हो गया है। पाकिस्तान के डेप्युटी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने संसद के अंदर खुलासा किया है कि दुनिया में करीब 20 हजार पाकिस्तानी जेल में हैं जिसमें से केवल 10 हजार तो सऊदी अरब की जेल में हैं। ये पाकिस्तानी सऊदी अरब में विभिन्न अपराधों में शामिल थे। इसी वजह से सऊदी सरकार ने उन्हें जेल में डाला है। इशाक डार ने बताया कि 19,997 पाकिस्तानी विदेश में जेल में हैं, इसमें 10,279 तो केवल सऊदी अरब में हैं। इशाक डार ने बताया कि इन पाकिस्तानियों को वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिन लोगों की सजा पूरी हो जा रही है और उनके ट्रेवेल डॉक्यूमेंट एक्सपायर हो गए हैं तो उन्हें जारी किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तानी समुदाय जिन लोगों ने सजा पूरी कर ली है, उनके जुर्माने को देने में मदद करे। डार ने कहा, 'इन पाकिस्तानी कैदियों को वापस लाने में कोई भी बाधा नहीं है।' पाकिस्तानियों को किन अपराधों में दी गई जेल ? पाकिस्तानी मंत्री ने कहा कि सऊदी अरब द्विपक्षीय समझौते के तहत 570 कैदियों को वापस भेजने पर सहमत हो गया है। पाकिस्तान के 88 राजनयिक मिशन से आए आंकड़े के मुताबिक 10 देशों में 68 पाकिस्तानियों को मौत की सजा दी गई है जो कभी भी दी जा सकती है। पाकिस्तानियों पर आतंकवाद, हत्या और ड्रग्स की तस्करी का आरोप है। इस आंकड़े से यह भी खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानियों पर सबसे ज्यादा आरोप अवैध प्रवासन, ड्रग्स रखना, हत्या, इंसानी तस्करी और विभिन्न तरीके के हमले शामिल हैं। सऊदी अरब में जहां सबसे ज्यादा पाकिस्तानी कैद में हैं, वहीं पड़ोसी यूएई में भी 5,292 पाकिस्तानी कैद में हैं। इसके बाद ग्रीस में 598 पाकिस्तानी जेल में बंद हैं। ये पाकिस्तानी इंसान की तस्करी से लेकर हत्या और बलात्कार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा ओमान में भी 578 पाकिस्तानी जेल में हैं। इशाक डार के आंकड़े से यह भी पता चलता है कि पाकिस्तान के दोस्त मुल्क होने का दावा करने वाले मलेशिया और तुर्की ने भी पाकिस्तानियों को जेल में डाल रखा है। इन पर धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग, जासूसी और तस्करी के आरोप हैं। पाकिस्तानियों की इन करतूतों से पाकिस्तान की दुनियाभर में जमकर किरकिरी हो रही है। यूएई ने तो पाकिस्तानियों को वीजा देने से ही किनारा कर रखा है। सऊदी ने भी कई पाकिस्तानी भिखारियों को वापस भेज दिया है।

इजराइल कैबिनेट ने हमास से सीजफायर को मंजूरी दीःरविवार से शुरू होगा युद्ध

तेल अवीव इजराइल की तरफ से 95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की गई है, जिन्हें रविवार को रिहा किया जाएगा। इजराइल की कैबिनेट ने शनिवार, यानी आज हमास के साथ सीजफायर डील को मंजूरी दे दी है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक यह युद्ध विराम रविवार, यानी कल से लागू होगा। इजराइली मंत्रियों ने समझौते के पक्ष में 24-8 मतों से मतदान किया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने शनिवार सुबह बयान जारी कर कहा सरकार ने बंधक वापसी की योजना को मंजूरी दे दी है।

ये डील 3 फेज में पूरी होगी। पहले फेज में हमास इजराइल से किडनैप किए गए 33 बंधकों को रिहा करेगा। साथ ही इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। इजराइल में न्याय मंत्रालय ने भी 95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की है, जिन्हें रविवार को रिहा किया जाएगा। इनमें 69 महिलाएं, 16 पुरुष और 10 नाबालिग शामिल हैं। इजराइल 700 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इनके नाम की लिस्ट भी जारी की गई है। इस लिस्ट में शामिल कई लोग हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं, जिनमें हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद सदस्य भी शामिल हैं। बता दें कि हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल में घुसकर 1200 लोगों को मार डाला था और 251 को बंधक बना लिया था। इसके कुछ घंटे बाद इजराइली सेना ने गाजा पर हमला बोल दिया था। 15 जनवरी को जो बाइडेन ने कहा कि यह डील 19 जनवरी, यानी रविवार से तीन फेज में शुरू होगी। इसमें 42 दिन तक बंधकों की अदला-बदली की जाएगी। 19 जनवरी से 1 मार्च तक गाजा में पूरी तरह से युद्धविराम रहेगा। हमास 33 इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। इजराइल रोजाना अपने एक बंधक के बदले 33 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। हर एक इजराइली महिला सैनिक के बदले 50 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहाई मिलेगी। अगर पहले फेज के 16वें दिन, यानी 3 फरवरी तक सब कुछ ठीक रहा, तो दूसरे फेज की योजना पर बातचीत शुरू हो जाएगी। इस दौरान कोई भी हमला नहीं किया जाएगा। जिंदा बचे हुए बाकी बंधकों को रिहा किया जाएगा। इजराइल 1 हजार फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, इनमें लगभग 190 कैदी 15 साल से ज्यादा समय से सजा काट रहे हैं।

इस डील के आखिरी फेज में गाजा को दोबारा बसाया जाएगा। इसमें 3 से 5 साल का समय लगेगा। हमास के कब्जे में मारे गए बंधकों के शव भी इजराइल को सौंपे जाएंगे। बंधकों की रिहाई और गाजा में सीजफायर डील को लेकर मई 2024 से बातचीत जारी थी। इसे लेकर सालभर से देश में प्रदर्शन भी चल रहे थे। बंधकों की रिहाई और गाजा में सीजफायर डील को लेकर मई 2024 से बातचीत जारी थी। इसे लेकर सालभर से देश में प्रदर्शन भी चल रहे थे। PM नेतन्याहू की लिकुड मंत्री के मंत्री डेविड अम्सलेम और अमीचाई चिक्ली उन 8 मंत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने सीजफायर के खिलाफ मतदान किया। इसके अलावा सरकार में शामिल ओत्जमा येहुदित पार्टी के 6 मंत्रियों ने भी युद्ध विराम के खिलाफ वोट दिया था। इससे पहले इजराइल के सुरक्षा मंत्री और दक्षिणपंथी नेता बेन-ग्विर इतामार ने शुक्रवार को हमास के साथ सीजफायर डील का विरोध किया था।

भारत ने ऐसा क्या किया जिससे खुश हो गया दुश्मन चीन, भारतीय उपलब्धि पर जमकर की तारीफ, दी बधाई

अंतरिक्ष में भारत की सफलता पर प्रतिद्वंद्वी चीन भी खुश हो गया है। चीन ने भारत की इस सफलता की जमकर तारीफ की है। भारत की उपलब्धि इस मायने में भी खास है कि वह ऐसा करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। इस पर चीन ने भारत को बधाई दी है।

बीजिंगः भारत ने अंतरिक्ष में ऐसा कारनामा कर दिखाया है कि चीन भी उसकी तारीफ करने लगा है। चीन ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) को अंतरिक्ष में अपने सैटेलाइट की सफल डॉकिंग के लिए बधाई दी है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने गुरुवार को अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक दो उपग्रहों की डॉकिंग की थी। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। भारत से पहले अमेरिका, रूस और चीन ने ही अपने उपग्रहों को अंतरिक्ष में अपने उपग्रहों को सफलतापूर्वक डॉक किया था। **चीन ने दी भारत को बधाई** भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने कहा, 'स्पेडेक्स मिशन के तहत उपग्रहों की सफल डॉकिंग के लिए भारत #इसरो को बधाई।' हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब चीन ने भारत की तारीफ की है। सितम्बर 2014 में भारत के मार्स ऑर्बिटर मिशन (MOM) मंगलयान ने मंगल की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश किया था। उस समय भी चीन ने तत्काल भारत के सफल मंगल मिशन के लिए बधाई दी थी।

मंगलयान के लिए बधाई देते हुए चीन ने कहा था कि यह न केवल भारत और एशिया के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि मानव जाति के बाहरी अंतरिक्ष की खोज में एक 'ऐतिहासिक प्रगति' भी है। मंगलयान की सफलता ने भारत को मंगल की कक्षा में पहुंचने वाले पहला देश बना दिया था। इतना ही नहीं, वह पहले प्रयास में ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश भी बन गया। चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग के लिए भी चीन ने ग्लोबल टाइम्स में एक लेख के जरिए भारत की तारीफ की थी **10 साल बाद मंगल की कक्षा में पहुंचा चीन** चीन ने अपना पहला मंगल मिशन तियानवेन-1 2020 में लॉन्च किया था। यह फरवरी 2021 में सफलतापूर्वक मंगल की कक्षा में प्रवेश कर गया था। इसके एक दशक पहले बीजिंग मंगल की कक्षा में जाने से चूक गया था, जब रूसी अंतरिक्ष यान फोबोस पर सवार उसका ऑर्बिटर यिंगहुओ-1 बीच में ही फेल हो गया था। रूसी और चीनी दोनों अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में जल गए थे।

भारत और तालिबान की दोस्ती से चीन और अमेरिका क्यों टेंशन में?

काबुलः भारत और अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार के बीच बढ़ती दोस्ती से पाकिस्तान घबराया हुआ है। वहीं चीन और अमेरिका की भी त्योरियां चढ़ गई हैं। पाकिस्तान के अफगानिस्तान पर हवाई हमले के बाद भारत पहला देश था जिसने पाकिस्तान के इस कायराना हरकत की खुलकर आलोचना की और तालिबानी सरकार के रुख का समर्थन किया। भारत के इस बयान के बाद पाकिस्तान जहां भड़का हुआ है, वहीं चीन और अमेरिका के भी कान खड़े हो गए हैं। अफगानिस्तान के खोश्त प्रांत में हुए इस हमले में 50 लोग मारे गए थे। इस बयान के बाद भारतीय विदेश सचिव ने पहली बार दुबई में तालिबानी विदेश मंत्री मावलावी अमीर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी। विश्लेषकों का कहना है कि भारत और तालिबान के बीच बढ़ती दोस्ती में दरार डालने के लिए अमेरिका, चीन और पाकिस्तान तीनों के डीप स्टेट खुफिया अभियान चला सकते हैं। द संडे गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, चीन और पाकिस्तान तीनों ही अलग-अलग कारणों से भारत का अफगानिस्तान में खेल बिगाड़ सकते हैं। साल 2021 में सत्ता पर कब्जा करने से पहले दोहा में वार्ता के दौरान तालिबान ने भारतीय अधिकारियों को भरोसा दिया था कि वे अफगानिस्तान को पाकिस्तानी आतंकियों और डीप स्टेट का गढ़ फिर से नहीं बनने देंगे। भारत को इसको लेकर ही तालिबानी सरकार से सबसे ज्यादा चिंता थी। करीब 3 साल के शासन के दौरान तालिबान ने अपने इस वादे को काफी हद तक निभाया है। तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तानी सेना बहुत खुश हो गई थी।

यही नहीं आईएसआई के तत्कालीन चीफ फैज हामिद दौड़े-दौड़ काबुल पहुंच गए थे। आज फैज जहां जेल में बंद हैं, वहीं पाकिस्तान और तालिबान के बीच जंग जैसे हालात हैं। आईएसआई का प्रोजेक्ट तालबिान अब उसी के लिए भारी पड़ रहा है। पाकिस्तान को अब पश्चिमी सीमा पर भी फौज लगानी पड़ रही है। डूरंड लाइन पर तालिबानी फौज ने उसके कई सैनिकों को मार दिया है।

अलग पहचान
सत्य की उड़ान

ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में जाएंगे मुकेश अंबानीः ट्रम्प के साथ कैंडललाइट डिनर करेंगे; 18 को अमेरिका रवाना होंगे

नई दिल्ली भारत के सबसे अमीर इंसान मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने जाएंगे। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक यह जानकारी ट्रम्प के शपथ ग्रहण कार्यक्रम से जुड़े एक अधिकारी ने दी है। अंबानी 18 जनवरी को वॉशिंगटन डीसी पहुंचेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह में अंबानी दंपती को अहम सीट मिलेगी। वे ट्रम्प कैबिनेट के नोमिनेट मेंबर्स और इलेक्टेड ऑफिसर्स के साथ बैठेंगे। इसके अलावा कैबिनेट का एक स्वागत समारोह और उपराष्ट्रपति का डिनर भी होगा, जिसमें अंबानी परिवार शामिल होगा। नीता और मुकेश अंबानी 19 नवंबर की रात राष्ट्रपति ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ कैंडललाइट डिनर में शामिल होंगे। शपथ ग्रहण के दौरान ट्रम्प अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले वे 2017 से 2021 के बीच 45वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर चुके हैं।

20 जनवरी 2017 राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण में डोनाल्ड ट्रम्प। शपथ ग्रहण में 3 पूर्व राष्ट्रपति रहेंगे, मिशेल ओबामा नहीं आएंगी ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रपति जो बाइडेन उनकी पत्नी जिल बाइडेन, उप राष्ट्रपति कमला हैरिस और उनके पति डग एमहॉफ रहेंगे। हालांकि पिछली बार ट्रम्प ने बाइडेन के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा नहीं लिया था। वे अमेरिका के 150 साल के इतिहास में पहले ऐसे राष्ट्रपति थे, जिन्होंने ऐसा किया था। ट्रम्प की गैरमौजूदगी में राष्ट्रपति की जिम्मेदारी तत्कालीन उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने निभाई थी। इस बार शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश उनकी पत्नी लौरा बुश और बिल क्लिंटन और हिलेरी क्लिंटन के भी मौजूद रहने की बात कही जा रही है। मिशेल ओबामा समारोह में मौजूद नहीं रहेंगी।

पहली बार विदेशी मेहमानों को न्योता, भारत से जयशंकर जाएंगे अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है जब विदेशी नेताओं को राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में न्योता भेजा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी, अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले, हंगरी से विक्टर ऑर्बन, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली मौजूद रहेंगे। भारत से विदेश मंत्री एस जयशंकर के अलावा QUAD देशों के विदेश मंत्री भी मौजूद रहेंगे। अमेरिकी उद्योगपतियों में इलॉन मस्क के अलावा, जेफ बेजोस, मार्क जुकरबर्ग और सैम ऑल्टमैन मौजूद रह सकते हैं।

ट्रम्प के शपथ ग्रहण में रिकॉर्ड चंदा शपथ ग्रहण समारोह के लिए ट्रम्प की टीम को रिकॉर्ड चंदा मिला है। ट्रम्प से बेहतर रिश्ता बनाने के लिए उद्योगपति जमकर फंडिंग कर रहे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अभी तक 170 मिलियन डॉलर (करीब 1.5 हजार करोड़ रुपए) आ चुके हैं। यह आंकड़ा 200 मिलियन डॉलर तक भी पहुंच सकता है।

पिछली बार बाइडेन के शपथ ग्रहण समारोह में 62 मिलियन डॉलर (500 करोड़ रुपए) का चंदा इकट्ठा हुआ था। वहीं ट्रम्प के 2017 के शपथ ग्रहण समारोह में 107 मिलियन डॉलर (925 करोड़ रुपए) इकट्ठा हुए थे।

यूरोप जा रहे 44 पाकिस्तानियों की समंदर में डूबकर मौतःमोरक्को के पास अटलांटिक महासागर में नाव पलटी, अवैध तरीके से स्पेन जा रहे थे

इस्लामाबाद अवैध तरीके से यूरोप जा रहे 44 पाकिस्तानी नागरिकों की अटलांटिक महासागर में डूबकर मौत हो गई है। पाकिस्तानी वेबसाइट डॉन के मुताबिक पश्चिम अफ्रीका से स्पेन जा रही नाव मोरक्को के दखला पोर्ट के पास डूब गई। नाव पर 80 से ज्यादा लोग सवार थे। इसमें 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जिसमें ज्यादातर पाकिस्तानी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक लोगों को ले जाने वाला जहाज सफर के दौरान लापता हो गया था। इसे ढूंढ़ने की कोशिश की गई थी लेकिन यह तब नहीं मिल पाया था। पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इस हादसे पर दुख जताया है और मानव तस्करी को रोकने के लए कदम उठाने की बात कही। वहीं, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अधिकारियों से घटना पर रिपोर्ट मांगी और कहा कि मानव तस्करी के जघन्य कृत्य में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। 2023 में ग्रीस के इसी इलाके में अवैध अप्रवासियों को ले जा रही एक नाव डूब गई थी, जिसके परिणामस्वरूप 262 पाकिस्तानियों की मौत हो गई थी। एक दिन पहले भी नाव डूबी थी, 36 लोग बचाए गए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मोरक्को में उसका दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। मंत्रालय ने बयान में कहा, 'राबत (मोरक्को) में हमारे दूतावास ने हमें सूचित किया है कि मॉरिटानिया से रवाना हुई 80 यात्रियों को ले जा रही एक नाव, जिसमें कई पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल हैं, मोरक्को के दखला बंदरगाह के पास पलट गई। इसमें पाकिस्तानियों सहित कई जीवित बचे लोग दखला के पास एक शिविर में ठहरे हुए हैं। ' नौका पलटने की घटना से एक दिन पहले भी ऐसा ही हादसा देखने को मिला था। मोरक्को के अधिकारियों ने एक दिन पहले ही एक नौका से 36 लोगों को बचाया था।

ये नाव बीते दो जनवरी को मॉरिटेनिया से 86 प्रवासियों को लेकर रवाना हुई थी। इन प्रवासियों में 66 पाकिस्तानी भी शामिल थे। वॉकिंग बॉर्डर्स की CEO ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी है कि डूबने वाले लोगों में से 44 लोग पाकिस्तान के थे।

नाइजीरिया को मिला BRICS पार्टनर देश का दर्जाः ब्राजील ने किया ऐलान; अब तक 9 देश बन चुके हैं ऑफिशियल BRICS पार्टनर

ब्राजिलिया 2024 में रूस के कजान में हुई ब्रिक्स समिट में 13 देशों को पार्टनर देश का दर्जा दिया गया था। अफ्रीका महाद्वीप का देश नाइजीरिया शुक्रवार को औपचारिक रूप से BRICS का पार्टनर सदस्य बन गया है। रूस की न्यूज एजेंसी RT के मुताबिक ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उजबेकिस्तान के साथ नाइजीरिया 9वां ऑफिशियल BRICS पार्टनर बन गया है। ब्राजील सरकार BRICS की अपनी अस्थायी अध्यक्षता का इस्तेमाल करते हुए आज 17 जनवरी, 2025 को BRICS में पार्टनर देश के तौर पर नाइजीरिया के ऑफिशियल एंट्री की घोषणा करती है। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा दुनिया की छठी बड़ी आबादी और अफ्रीकी महाद्वीप की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था (3.29 लाख करोड़ रुपए) होने के नाते नाइजीरिया के हित अन्य BRICS देशों से मेल खाते हैं। नाइजीरिया ने BRICS देशों के साथ मिलकर ग्लोबल साउथ को मजबूत करने और ग्लोबल ऑर्डर में सुधार लाने के लिए प्रयासों किए हैं। पिछले साल रूस के कजान शहर में आयोजित BRICS समिट में 13 देशों को पार्टनर देश का दर्जा दिया गया था। इनमें से अब तक 9 देश औपचारिक तौर पर इसके पार्टनर देश बन गए हैं। तेल और गैस के भंडार, आपसी संघर्ष से अशांति नाइजीरिया अफ्रीका का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। नाइजीरिया की आबादी 22 करोड़ है। यह देश सबसे तेजी से आबादी बढ़ने वाले देशों में शामिल है। नाइजीरिया में तेल और गैस के विशाल भंडार हैं, लेकिन आपसी संघर्ष की वजह से यहां लगातार राजनीतिक उथल पुथल मची रहती है। BBC के मुताबिक नाइजीरिया दो भागों में बंटा हुआ है। उत्तरी हिस्सा जहां मुसलमान बहुसंख्यक हैं वहां गरीबी ज्यादा है। दक्षिणी और पूर्वी नाइजीरिया में ईसाई आबादी ज्यादा है। ये इलाका ज्यादा संपन्न है। 7 जनवरी को दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया BRICS का स्थायी सदस्य बन था। इंडोनेशिया BRICS में शामिल होने वाला 10वां स्थायी सदस्य देश है। साउथ अफ्रीका ने साल 2023 में ईरान, UAE, इजिप्ट और इथोपिया के साथ सऊदी अरब के शामिल होने की घोषणा की थी।

पाकिस्तानियों की करतूत पर सऊदी प्रिंस MBS आगबबूला, 10 हजार लोगों को जेल में डाला, शहबाज सरकार ने माना सच

पाकिस्तानी पूरी दुनिया में बदनाम होते जा रहे हैं और करीब 20 हजार लोगों को जेल में डाल दिया गया है। इसमें केवल सऊदी अरब में ही 10 हजार पाकिस्तानी जेल में बंद हैं। ये पाकिस्तानी ड्रग्स की तस्करी से लेकर हिंसा करने के आरोप में बंद हैं। इससे पाकिस्तान की जमकर किरकिरी हो रही है।

इस्लामाबादः पाकिस्तान दावा करता है कि इस्लामिक देशों के अगुआ सऊदी अरब के साथ उसके बहुत ही मजबूत रिश्ते हैं। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को अपना भाई तक करार देते हैं। इस बीच शहबाज सरकार ने अब स्वीकार किया है कि सऊदी अरब पाकिस्तानियों पर बहुत ही सख्त हो गया है। पाकिस्तान के डेप्युटी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने संसद के अंदर खुलासा किया है कि दुनिया में करीब 20 हजार पाकिस्तानी जेल में हैं जिसमें से केवल 10 हजार तो सऊदी अरब की जेल में हैं। ये पाकिस्तानी सऊदी अरब में विभिन्न अपराधों में शामिल थे। इसी वजह से सऊदी सरकार ने उन्हें जेल में डाला है। इशाक डार ने बताया कि 19,997 पाकिस्तानी विदेश में जेल में हैं, इसमें 10,279 तो केवल सऊदी अरब में हैं। इशाक डार ने बताया कि इन पाकिस्तानियों को वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिन लोगों की सजा पूरी हो जा रही है और उनके ट्रेवेल डॉक्यूमेंट एक्सपायर हो गए हैं तो उन्हें जारी किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तानी समुदाय जिन लोगों ने सजा पूरी कर ली है, उनके जुर्माने को देने में मदद करे। डार ने कहा, 'इन पाकिस्तानी कैदियों को वापस लाने में कोई भी बाधा नहीं है।' पाकिस्तानियों को किन अपराधों में दी गई जेल ? पाकिस्तानी मंत्री ने कहा कि सऊदी अरब द्विपक्षीय समझौते के तहत 570 कैदियों को वापस भेजने पर सहमत हो गया है। पाकिस्तान के 88 राजनयिक मिशन से आए आंकड़े के मुताबिक 10 देशों में 68 पाकिस्तानियों को मौत की सजा दी गई है जो कभी भी दी जा सकती है। पाकिस्तानियों पर आतंकवाद, हत्या और ड्रग्स की तस्करी का आरोप है। इस आंकड़े से यह भी खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानियों पर सबसे ज्यादा आरोप अवैध प्रवासन, ड्रग्स रखना, हत्या, इंसानी तस्करी और विभिन्न तरीके के हमले शामिल हैं। सऊदी अरब में जहां सबसे ज्यादा पाकिस्तानी कैद में हैं, वहीं पड़ोसी यूएई में भी 5,292 पाकिस्तानी कैद में हैं। इसके बाद ग्रीस में 598 पाकिस्तानी जेल में बंद हैं। ये पाकिस्तानी इंसान की तस्करी से लेकर हत्या और बलात्कार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा ओमान में भी 578 पाकिस्तानी जेल में हैं। इशाक डार के आंकड़े से यह भी पता चलता है कि पाकिस्तान के दोस्त मुल्क होने का दावा करने वाले मलेशिया और तुर्की ने भी पाकिस्तानियों को जेल में डाल रखा है। इन पर धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग, जासूसी और तस्करी के आरोप हैं। पाकिस्तानियों की इन करतूतों से पाकिस्तान की दुनियाभर में जमकर किरकिरी हो रही है। यूएई ने तो पाकिस्तानयों को वीजा देने से ही किनारा कर रखा है। सऊदी ने भी कई पाकिस्तानी भिखारियों को वापस भेज दिया है।

इजराइल कैबिनेट ने हमास से सीजफायर को मंजूरी दीःरविवार से शुरू होगा युद्ध

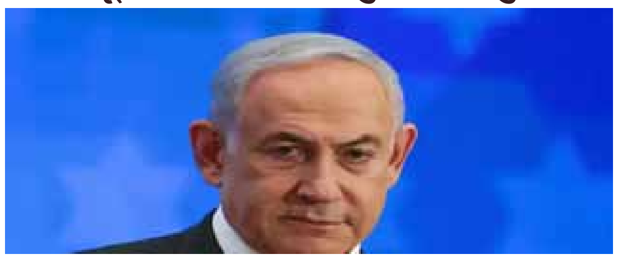

तेल अवीव इजराइल की तरफ से 95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की गई है, जिन्हें रविवार को रिहा किया जाएगा। इजराइल की कैबिनेट ने शनिवार, यानी आज हमास के साथ सीजफायर डील को मंजूरी दे दी है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक यह युद्ध विराम रविवार, यानी कल से लागू होगा। इजराइली मंत्रियों ने समझौते के पक्ष में 24-8 मतों से मतदान किया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने शनिवार सुबह बयान जारी कर कहा सरकार ने बंधक वापसी की योजना को मंजूरी दे दी है।

ये डील 3 फेज में पूरी होगी। पहले फेज में हमास इजराइल से किडनैप किए गए 33 बंधकों को रिहा करेगा। साथ ही इजराइली सेना गाजा की सीमा से 700 मीटर पीछे लौटेगी। इजराइल में न्याय मंत्रालय ने भी 95 फिलिस्तीनी कैदियों की लिस्ट जारी की है, जिन्हें रविवार को रिहा किया जाएगा। इनमें 69 महिलाएं, 16 पुरुष और 10 नाबालिग शामिल हैं। इजराइल 700 से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इनके नाम की लिस्ट भी जारी की गई है। इस लिस्ट में शामिल कई लोग हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं, जिनमें हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद सदस्य भी शामिल हैं। बता दें कि हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल में घुसकर 1200 लोगों को मार डाला था और 251 को बंधक बना लिया था। इसके कुछ घंटे बाद इजराइली सेना ने गाजा पर हमला बोल दिया था। 15 जनवरी को जो बाइडेन ने कहा कि यह डील 19 जनवरी, यानी रविवार से तीन फेज में शुरू होगी। इसमें 42 दिन तक बंधकों की अदला-बदली की जाएगी। 19 जनवरी से 1 मार्च तक गाजा में पूरी तरह से युद्धविराम रहेगा। हमास 33 इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। इजराइल रोजाना अपने एक बंधक के बदले 33 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहा करेगा। हर एक इजराइली महिला सैनिक के बदले 50 फिलिस्तीनी बंदियों को रिहाई मिलेगी। अगर पहले फेज के 16वें दिन, यानी 3 फरवरी तक सब कुछ ठीक रहा, तो दूसरे फेज की योजना पर बातचीत शुरू हो जाएगी। इस दौरान कोई भी हमला नहीं किया जाएगा। जिंदा बचे हुए बाकी बंधकों को रिहा किया जाएगा। इजराइल 1 हजार फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, इनमें लगभग 190 कैदी 15 साल से ज्यादा समय से सजा काट रहे हैं।

इस डील के आखिरी फेज में गाजा को दोबारा बसाया जाएगा। इसमें 3 से 5 साल का समय लगेगा। हमास के कब्जे में मारे गए बंधकों के शव भी इजराइल को सौंपे जाएंगे। बंधकों की रिहाई और गाजा में सीजफायर डील को लेकर मई 2024 से बातचीत जारी थी। इसे लेकर सालभर से देश में प्रदर्शन भी चल रहे थे। बंधकों की रिहाई और गाजा में सीजफायर डील को लेकर मई 2024 से बातचीत जारी थी। इसे लेकर सालभर से देश में प्रदर्शन भी चल रहे थे। PM नेतन्याहू की लिकुड मंत्री के मंत्री डेविड अम्सलेम और अमीचाई चिक्ली उन 8 मंत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने सीजफायर के खिलाफ मतदान किया। इसके अलावा सरकार में शामिल ओत्जमा येहुदित पार्टी के 6 मंत्रियों ने भी युद्ध विराम के खिलाफ वोट दिया था। इससे पहले इजराइल के सुरक्षा मंत्री और दक्षिणपंथी नेता बेन-ग्विर इतामार ने शुक्रवार को हमास के साथ सीजफायर डील का विरोध किया था।

भारत ने ऐसा क्या किया जिससे खुश हो गया दुश्मन चीन, भारतीय उपलब्धि पर जमकर की तारीफ, दी बधाई

अंतरिक्ष में भारत की सफलता पर प्रतिद्वंद्वी चीन भी खुश हो गया है। चीन ने भारत की इस सफलता की जमकर तारीफ की है। भारत की उपलब्धि इस मायने में भी खास है कि वह ऐसा करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। इस पर चीन ने भारत को बधाई दी है।

बीजिंगः भारत ने अंतरिक्ष में ऐसा कारनामा कर दिखाया है कि चीन भी उसकी तारीफ करने लगा है। चीन ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) को अंतरिक्ष में अपने सैटेलाइट की सफल डॉकिंग के लिए बधाई दी है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने गुरुवार को अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक दो उपग्रहों की डॉकिंग की थी। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। भारत से पहले अमेरिका, रूस और चीन ने ही अपने उपग्रहों को अंतरिक्ष में अपने उपग्रहों को सफलतापूर्वक डॉक किया था। **चीन ने दी भारत को बधाई** भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने कहा, 'स्पेडेक्स मिशन के तहत उपग्रहों की सफल डॉकिंग के लिए भारत #इसरो को बधाई।' हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब चीन ने भारत की तारीफ की है। सितम्बर 2014 में भारत के मार्स ऑर्बिटर मिशन (MOM) मंगलयान ने मंगल की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश किया था। उस समय भी चीन ने तत्काल भारत के सफल मंगल मिशन के लिए बधाई दी थी।

मंगलयान के लिए बधाई देते हुए चीन ने कहा था कि यह न केवल भारत और एशिया के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि मानव जाति के बाहरी अंतरिक्ष की खोज में एक 'ऐतिहासिक प्रगति' भी है। मंगलयान की सफलता ने भारत को मंगल की कक्षा में पहुंचने वाले पहला देश बना दिया था। इतना ही नहीं, वह पहले प्रयास में ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश भी बन गया। चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग के लिए भी चीन ने ग्लोबल टाइम्स में एक लेख के जरिए भारत की तारीफ की थी **10 साल बाद मंगल की कक्षा में पहुंचा चीन** चीन ने अपना पहला मंगल मिशन तियानवेन-1 2020 में लॉन्च किया था। यह फरवरी 2021 में सफलतापूर्वक मंगल की कक्षा में प्रवेश कर गया था। इसके एक दशक पहले बीजिंग मंगल की कक्षा में जाने से चूक गया था, जब रूसी अंतरिक्ष यान फोबोस पर सवार उसका ऑर्बिटर यिंगहुओ-1 बीच में ही फेल हो गया था। रूसी और चीनी दोनों अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में जल गए थे।

भारत और तालिबान की दोस्ती से चीन और अमेरिका क्यों टेंशन में?

काबुलः भारत और अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार के बीच बढ़ती दोस्ती से पाकिस्तान घबराया हुआ है। वहीं चीन और अमेरिका की भी त्योरियां चढ़ गई हैं। पाकिस्तान के अफगानिस्तान पर हवाई हमले के बाद भारत पहला देश था जिसने पाकिस्तान के इस कायराना हरकत की खुलकर आलोचना की और तालिबानी सरकार के रुख का समर्थन किया। भारत के इस बयान के बाद पाकिस्तान जहां भड़का हुआ है, वहीं चीन और अमेरिका के भी कान खड़े हो गए हैं। अफगानिस्तान के खोश्त प्रांत में हुए इस हमले में 50 लोग मारे गए थे। इस बयान के बाद भारतीय विदेश सचिव ने पहली बार दुबई में तालिबानी विदेश मंत्री मावलावी अमीर खान मुत्ताकी से मुलाकात की थी। वश्लिेषकों का कहना है कि भारत और तालिबान के बीच बढ़ती दोस्ती में दरार डालने के लिए अमेरिका, चीन और पाकिस्तान तीनों के डीप स्टेट खुफिया अभियान चला सकते हैं। द संडे गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, चीन और पाकिस्तान तीनों ही अलग-अलग कारणों से भारत का अफगानिस्तान में खेल बिगाड़ सकते हैं। साल 2021 में सत्ता पर कब्जा करने से पहले दोहा में वार्ता के दौरान तालिबान ने भारतीय अधिकारियों को भरोसा दिया था कि वे अफगानिस्तान को पाकिस्तानी आतंकियों और डीप स्टेट का गढ़ फिर से नहीं बनने देंगे। भारत को इसको लेकर ही तालिबानी सरकार से सबसे ज्यादा चिंता थी। करीब 3 साल के शासन के दौरान तालिबान ने अपने इस वादे को काफी हद तक निभाया है। तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तानी सेना बहुत खुश हो गई थी।

यही नहीं आईएसआई के तत्कालीन चीफ फैज हामिद दौड़े-दौड़ काबुल पहुंच गए थे। आज फैज जहां जेल में बंद हैं, वहीं पाकिस्तान और तालिबान के बीच जंग जैसे हालात हैं। आईएसआई का प्रोजेक्ट तालबिान अब उसी के लिए भारी पड़ रहा है। पाकिस्तान को अब पश्चिमी सीमा पर भी फौज लगानी पड़ रही है। डूरंड लाइन पर तालिबानी फौज ने उसके कई सैनिकों को मार दिया है।

RNI(JHAHIN/2007/21993) स्वत्वधिकारी, कुसूम कुमारी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार द्वारा जे.एस.एस.सी. रोड टी गार्डेन पी.ओ. व थाना नामकुम, जिला -रांची 834010, झारखंड से प्रकाशित एवं एस.एच. प्रिन्टर्स प्रा. लि., काठिटांड (नियर टेण्डर बगीचा) रातू, रांची-835222, झारखंड से मुद्रित। संपादक : राकेश कुमार, विज्ञापन एवं प्रसार-9031133553 कार्यालय : 9431739847, किसी भी प्रकार के विवाद में न्यायिक क्षेत्र रांची होगा। (* पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जम्मेवार)

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम घोषित करेंगे अजीत अगरकर, जानें कब और कहां देखें लाइव स्ट्रीमिंग

भारतीय क्रिकेट टीम की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए घोषणा आज होगी। चैंपियंस ट्रॉफी में टीम की कप्तानी रोहित शर्मा करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी शामिल होंगे। 19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत पाकिस्तान और यूएई में होगी।

नई दिल्लीः चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए आज भारतीय टीम की घोषणा होगी। इसके साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी आज ही टीम घोषित की जाएगा। माना जा रहा है कि दोनों में एक ही टीम उतर सकती है। नवंबर 2023 में हुए वर्ल्ड कप फाइनल से अभी तक 14 महीनों में भारतीय क्रिकेट टीम ने सिर्फ 6 ही वनडे मुकाबले खेले हैं। इसी वजह से चयनकर्ताओं को चयन के लिए काफी माथापच्ची करनी पड़ सकते हैं। **अगरकर और रोहित करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस** टीम इंडिया की घोषणा के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंक का आयोजन किया गया है। इसमें मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के साथ टीम के कप्तान रोहित शर्मा होंगे। भारतीय समय अनुसार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे से इसकी शुरुआत होगी। बीसीसीआई ने खुद इसकी जानकारी दी थी। इस घोषणा से साफ है कि चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया रोहित शर्मा की कप्तानी में ही मैदान पर उतरने वाली है। टीम की घोषणा कहां देखें लाइव?

हर किसी के मन में यही सवाल है कि चैंपियंस ट्रॉफी की टीम घोषणा कहां देखें, तो चलिए हम आपको इसी जानकारी देते हैं। टीम इंडिया की घोषणा की स्ट्रीमिंग आज हॉटस्टार पर देख सकते हैं। वहीं इसका ब्रॉडकास्ट स्टार स्पोर्ट्स किया जा सकता है। टीम घोषणा के बाद रोहित और अगरकर मीडिया के सवालों के जवाब में देंगे। आईसीसी ने टीम घोषणा के लिए 12 जनवरी की डेडलाइन दी थी। लेकिन बीसीसीआई ने एक हफ्ते का समय मांगा था और उसे मंजूरी मिल गई थी। **19 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत** चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 8 साल बाद किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 19 फरवरी से पाकिस्तान में होगी। भारतीय टीम अपने मुकाबले यूएई में खेलेगी।

सचिन के पास नहीं था बॉडीगार्ड... भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार कल्चर पर संजय मांजरेकर ने कसा तंज

भारतीय क्रिकेट टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है। खास तौर से टीम के सीनियर खिलाड़ियों की टीम में भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा टीम में स्टार कल्चर को भी निशाने पर लिया जा रहा है। इसकी को लेकर अब संजय ने तंज कसा है।

नई दिल्लीः ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से भारतीय क्रिकेट टीम में उथल-पुथल मचा हुआ है। इसके साथ ही बीसीसीआई ने एक 10 सूत्री नियम लाकर टीम इंडिया के खिलाड़ियों पर शिकंजा कसने का काम कर दिया। बीसीसीआई के कुछ नियम ऐसे हैं कि सीनियर खिलाड़ियों को परेशानी हो सकती है। इसी को लेकर अब पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने स्टार खिलाड़ियों पर तंज कसा है। मांजरेकर ने बिना नाम लिए विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों पर निशाना साधा है।

संजय मांजरेकर ने टीम इंडिया के हालिया प्रदर्शन पर निशाना साधा। इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुए कहा, 'मास्टर ब्लास्टर एक बड़े स्टार होने के बावजूद हर जगह अपने बॉडीगार्ड के साथ नहीं जाते थे। भारतीय क्रिकेट टीम की मौजूदा कल्चर बॉलीवुड की तरह हो गया है। स्टार खिलाड़ी अपने बॉडीगार्ड के साथ चलते हैं।'

BCCI के नियम पर भी मांजरेकर ने की बात संजय मांजरेकर ने बीसीसीआई के 10 नए नियमों के बारे में भी बात की। इसके साथ ही उन्होंने कहा, यह एक तरह से बचकानी बात है। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जब हारी तब टीम के कल्चर की तरफ सबका ध्यान गया है। जब भारतीय टीम को जीत मिल रही थी तब इस पर ध्यान क्यों नहीं गया। कुछ चीजों के लिए इस तरह की हार की जरूरत नहीं होनी।' Vijay Hazare Trophy: कभी दिल्ली क्रिकेट टीम छोड़ने को हुआ मजबूर, अब विदर्भ में चमक रहा, जड़ा लगातार दूसरा शतक बता दें कि बीसीसीआई ने अपने नए नियम में खिलाड़ियों पर कई तरह की पाबंदी लगाई है। खास तौर से टीम के अनुशासन और एकजुटता को बनाए रखने के लिए सभी खिलाड़ी एक साथ ट्रेवल करेंगे। इसके अलावा कोई भी खिलाड़ी अपने साथ पर्सनल असिस्टेंट की तरह कोई स्टाफ नहीं रखेगा और खिलाड़ी सीरीज या मैच जल्दी खत्म होने के बाद टीम का साथ नहीं छोड़ पाएंगे।

क्रिकेट की बॉलीवुड से की तुलना संजय मांजरेकर ने कहा, 'भारतीय टीम का मौजूदा कल्चर कुछ हद तक बॉलीवुड की तरह हो गया है। मुझे उम्मीद है कि इन नियमों के बाद भारतीय क्रिकेट वैसा ही बना रहे जैसा की पहले वास्तव में था।' इसके अलावा मांजरेकर का मानना है कि किसी टूर पर परिवार के साथ रहने से टीम के माहौल और जुड़ाव में कोई मदद नहीं मिलती है।

चैंपियंस ट्रॉफीः रनमशीन करुण नायर का सिलेक्शन क्यों मुश्किल? ये दो बड़ी वजह बिगाड़ रही खेल

सचिन तेंदुलकर ने करुण नायर के प्रदर्शन की सराहना उस समय की है जब चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम चुनने के लिए अजीत अगरकर की अगुवाई वाली राष्ट्रीय चयन समिति की मुंबई में बैठक होने वाली है। कई फैक्टर्स नायर के खिलाफ हैं।

मुंबईः 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान अगले कुछ घंटों में कर दिया जाएगा। आज दोपहर 12 बजे मुंबई में चयन समिति की बैठक होनी है। कप्तान रोहित शर्मा और चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और प्लेयर्स को सिलेक्ट या ड्रॉप करने का कारण बताएंगे। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए भी शनिवार को टीम का चयन किया जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शानदार फॉर्म में चल रहे करुण नायर के नाम पर भी सिलेक्टर्स को जमकर माथा-पच्ची करनी होगी। विजय हजारे ट्रॉफी में पांच शतकों के साथ 752 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनका औसत भी 752 रन का रहा है। हर मैच में नए रिकॉर्ड बना रहे हैं, लेकिन पहले से ही मजबूत मध्यक्रम में उनके लिए जगह बनाना मुश्किल है, जिसमें ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी होंगे। हालांकि करुण को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मुकाबलों के लिए टीम में शामिल किया जा सकता है। उम्र भी राह में बड़ा रोड़ा चयनकर्ताओं का मानना है कि 33 वर्षीय खिलाड़ी को वापस बुलाना कोई बुद्धिमानी भरा फैसला नहीं होगा। 2016 में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान केवल दो एकदिवसीय मैच खेलने के बाद नायर को टीम से बाहर कर दिया गया था। करुण नायर के शानदार प्रदर्शन से विदर्भ की टीम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई है, जहां शनिवार को उसका मुकाबला कर्नाटक से होगा। भारतीय टीम के लिए वीरेंद्र सहवाग के बाद टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने वाले नायर सिर्फ दूसरे बल्लेबाज है। इस बीच महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी करुण नायर की जमकर तारीफ कर डाली। सचिन ने उन्हें 'असाधारण से कम नहीं' करार देते हुए विदर्भ के कप्तान से इस लय को 'जारी रखने' की उम्मीद जताई। नायर भारत 50 ओवर की इस शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। तेंदुलकर ने नायर को टैग करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'सात पारियों में पांच शतकों के साथ 752 रन बनाना असाधारण से कम नहीं है। इस तरह के प्रदर्शन यूं ही नहीं हो जाते। ऐसे प्रदर्शन अत्यधिक फोकस और कड़ी मेहनत से आते हैं। ऐसे ही मजबूत बने रहें और हर अवसर का लाभ उठाएं।'

ऋषभ पंत ने पेश की मिसाल, ठुकराया कप्तानी का ऑफर, इसके लिए तारीफ तो बनती है

भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने बड़ी मिसाल पेश की है। 27 साल के पंत को चयन समिति की तरफ से कप्तानी का ऑफर मिला था लेकिन उन्होंने इसके लिए साफ मना कर दिया। पंत 23 जनवरी से दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी का मुकाबला खेलने मैदान पर उतरेंगे।

नई दिल्लीः भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत रणजी ट्रॉफी में दिल्ली की कप्तानी नहीं करेंगे। यह खबर दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) की चयन समिति की बैठक के बाद आई है। पंत रणजी मैच में खेलेंगे, लेकिन अगुवाई आयुष बडोनी ही करेंगे। पंत ने खुद ही कप्तानी से इनकार किया है। वहीं विराट कोहली के खेलने पर अभी संशय बना हुआ है। यह मैच 23 जनवरी से राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ होगा। दिल्ली की टीम एलीट ग्रुप डी के रणजी पॉइंट्स टेबल में 19 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। **ऋषभ पंत ने क्यों किया मना**? ऋषभ पंत 2018 के बाद पहली बार रणजी मैच खेलेंगे। उन्हें डीडीसीए की तरफ से कप्तानी करने का ऑफिर मिला था। लेकिन उन्होंने मना कर दिया। सूत्र ने क्रिकबज को बताया, 'पंत को कप्तानी की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि बदोनी को कप्तान बने रहना चाहिए। उनका मानना था कि केवल एक अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल कप्तान के रूप में उनके अनुभव के आधार पर कप्तान बनाना सही नहीं होगा। उन्हें लगा कि कप्तान के रूप में उनके प्रवेश से टीम का संतुलन बिगड़ सकता है। इसके बजाय उन्होंने मौजूदा कप्तान और कोच (सरनदीप सिंह) पर भरोसा जताया, ताकि वे सीजन की शुरुआत से देख रहे अपने विजन को आगे बढ़ा सके।' दिलचस्प बात यह है कि आईपीएल 2025 में पंत और बडोनी की भूमिकाएं उलट जाएंगी। पंत का लखनऊ सुपर जायंट्स का कप्तान बनना तय है। आयुष बडोनी भी उसी टीम का हिस्सा हैं। वहां बडोनी पंत की कप्तानी में खेलते नजर आ सकते हैं। रश्मिका या स्मृति मंधाना, कौन हैं भारत की असली सुपर स्टार? विराट से बात कर सकते हैं रोहन दूसरी तरफ विराट कोहली की फिटनेस पर भी संशय बना हुआ है। सूत्रों के अनुसार, DDCA अध्यक्ष रोहन जेटली कोहली से बात कर सकते हैं। कोहली हाल ही में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। BCCI ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के लिए कहा है। यह तब लागू होता है जब वे अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी पर न हों या चोट से उबर रहे हों। इस मामले पर जेटली ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

WPL का पहला मैच 14 फरवरी को गुजरात-बेंगलुरु के बीचः15 मार्च को मुंबई में फाइनल; 4 वेन्यू पर 22 मैच खेले जाएंगे

नई दिल्लीः स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को सौराष्ट्र के खिलाफ राजकोट में अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिये दिल्ली की 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में रखा गया है, लेकिन उनके चोट की खबर आने के बाद अभी उनके खेलने को लेकर संशय है। समझा जाता है कि कोहली ने दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ के आला अधिकारियों को बताया है कि उन्हें सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के दौरान गर्दन में हल्की चोट लगी थी।

कोहली के खेलने पर सस्पेंस बरकरार

वहां फिजियो ने उनका उपचार किया और अभी इस बारे में तस्वीर साफ नहीं है कि वह 23 जनवरी से होने वाला रणजी मैच खेलेंगे या नहीं। वह खेलेंगे या कुछ दिन अभ्यास के लिए राजकोट जाएंगे, इसके बारे में तभी पता चलेगा जब वह डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली को बताएंगे। कोहली ने 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ गाजियाबाद में आखिरी बार रणजी मैच खेला था। इसके एक साल बाद सचिन तेंदुलकर ने लाहली में हरियाणा के खिलाफ अपना आखिरी रणजी मैच खेला। **ऋषभ पंत ने कप्तानी से किया इनकार** विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सात साल बाद रणजी मैच खेलेंगे हालांकि समझा जाता है कि उन्होंने कप्तानी से इनकार कर दिया। इसके मायने हैं कि आयुष बडोनी ही कप्तान होंगे। डीडीसीए की शीर्ष परिषद के एक सदस्य ने पीटीआई को बताया, 'ऋषभ का मानना है कि मौजूदा कप्तान को ही कमान संभालनी चाहिए। उनका मानना है कि चूंकि वह निरंतर उपलब्ध नहीं होंगे तो कप्तानी में बदलाव नहीं करना चाहिए। जब पंत को कप्तानी की पेशकश की गई तो उसने कहा कि वह बडोनी की कप्तानी में खेलकर खुश हैं। हमने 22 खिलाड़ी चुने हैं जिनमें पांच अंडर 23 खिलाड़ी हैं जो 25 जनवरी से छत्तीसगढ़ के खिलाफ सीके नायुडू अंडर 23 मैच के लिए भिलाई जाएंगे।' **अब सारे दिग्गज रणजी ट्रॉफी में दिखेंगे** बीसीसीआई ने सभी केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया है। यशस्वी जायसवाल मुंबई के लिए और शुभमन गिल पंजाब के लिए खेल रहे हैं। रोहित शर्मा मुंबई रणजी टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं हालांकि उनका खेलना अभी तय नहीं है।

पंत या संजू नहीं, केएल राहुल की जगह को 23 साल के बल्लेबाज से खतरा, कहीं कटवा न दे पत्ता

भारतीय टीम की सिलेक्शन कमिटी आज इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की घोषणा करेगी। जसप्रीत बुमराह की फिटनेस और यशस्वी जायसवाल की संभावित चयन प्रमुख मुद्दे हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी कायम रहेगी। चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से है।

नई दिल्लीः अजीत अगरकर की अगुआई वाली बीसीसीआई की सिलेक्शन कमिटी इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आज भारतीय टीम की घोषणा करेगी। सिलेक्टर्स के सामने फास्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर पैदा स्थिति के अलावा ओपनर यशस्वी जायसवाल को शुरुआती 15 सदस्यीय टीम में समायोजित करने के दो प्रमुख मुद्दे होंगे। बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान पीठ में ऐंठन और दर्द की दिक्कत हुई थी। उन्हें शामिल करने के बारे में फैसला लेने से पहले उनकी फिटनेस की सही स्थिति जाननी पड़ेगी।

सिलेक्शन मीटिंग के बाद होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा भी मौजूद होंगे। इससे साफ संकेत हैं वनडे फॉर्मेट में उनकी कप्तानी कायम रहेगी। फास्ट बॉलर मोहम्मद शमी को भी टीम में शामिल किए जाने की उम्मीद है, चूंकि उन्होंने डोमेस्टिक मैचों में खेलकर अपनी फिटनेस साबित की है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले 5 बाएं हाथ के गेंदबाज, पाकिस्तानी दिग्गज टॉप पर वसीम अकरम इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। 1984 में वसीम ने पाकिस्तान के लिए डेब्यू किया था। वनडे में उन्होंने 502 जबकि टेस्ट में 414 विकेट लिए हैं। 2003 में संन्यास के बाद भी उनका रिकॉर्ड आज तक नहीं टूटा। नंबर एक और नंबर दो में 150 से ज्यादा विकेट का अंतर है। श्रीलंका के चमिंडा वास दूसरे नंबर पर हैं। 439 मैच खेलने वाले वास ने अपने करियर में 761 विकेट लिए हैं। वनडे में बेस्ट स्पेल डालने का रिकॉर्ड वास के नाम ही दर्ज है। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिनर हैं। शाकिब ने 447 मैचों की 488 पारियों में गेंदबाजी की है। इसमें उन्होंने 712 बल्लेबाजों को आउट किया है। वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के एक्टिव गेंदबाज भी हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी का भी इंटरनेशनल क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। टेस्ट में 362 विकेट लेने के अलावा वनडे में भी उन्होंने 305 विकेट चटकाए। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भी उनके नाम 38 विकेट दर्ज हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 699 विकेट हैं। 2010 में डेब्यू करने वाले स्टार्क ने अभी तक 286 मुकाबले खेले हैं। इसमें उन्होंने 25.89 की औसत से ये विकेट लिए हैं। उनके नाम टेस्ट में 376, वनडे में 244 और टी20 इंटरनेशनल में 79 शिकार हैं। रोहित ने की वाइट बॉल से प्रैक्टिस

रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी से पहले वाइट बॉल फॉर्मेट में अपनी स्किल निखारने पर मेहनत कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर डाले एक विडियो में 37 साल के रोहित को अभ्यास सत्र में उनके चिर-परिचित शॉट फ्लिक, ड्राइव, ऊंचे हिट और पूल लगाते देखा गया। उधर, विराट कोहली को सौराष्ट्र के खिलाफ राजकोट में अगले रणजी ट्रोफी मैच के लिए दिल्ली की 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में रखा गया है, लेकिन चोट के चलते उनके खेलने को लेकर संशय है। विराट ने डीडीसीए के आला अधिकारियों को बताया है कि उन्हें सिडनी टेस्ट के दौरान गर्दन में हल्की चोट लगी थी। यशस्वी और राहुल में टक्कर! आज होने वाले टीम सिलेक्शन में खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस दोनों पहलु अहम हैं। फॉर्म में चल रहे यशस्वी को टीम में शामिल किया गया तो उनका केएल राहुल के साथ सीधा मुकाबला तय है चूंकि टॉप ऑर्डर में रोहित, विराट, शुभमान गिल और श्रेयस अय्यर की जगह पक्की लग रही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0536 एवं 1272 खलारी राव रोड पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर किन्नू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं .651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670